दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित
नगर संस्करण | इंदौर, सोमवार, 20 जुलाई 2026 | वर्ष : 01, अंक : 224, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

स्पेन ने फुटबॉल वर्ल्ड कप जीता

फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से हराया फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल दागा

न्यूयॉर्क ● एजेंसी

स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। टीम ने न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 2022 की चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। स्पेन के लिए एक्स्ट्रा टाइम में फेरन टोरेस ने गोल किया। इसी के साथ स्पेन ने 2010 के बाद दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। तब टीम ने नीदरलैंड को 1-0 से हराया था।

मार्टिनेज ने 100 मिनट तक अकेले लड़ाई लड़ी

अगर यह मुकाबला 90 मिनट तक बराबरी पर रहा तो इसकी सबसे बड़ी वजह अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज थे। स्पेन पूरे मैच में लगातार अटैक करता रहा। कभी लामिन यमाल ने बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, कभी ओयारजाबाल ने मौका बनाया तो कभी पेड्री और निको विलियम्स गोल के करीब पहुंचे। हर बार मार्टिनेज ने खुद को गेंद और गोलपोस्ट के बीच खड़ा कर दिया।

कई बार ऐसा लगा कि स्पेन अब गोल कर देगा, लेकिन हर बार मार्टिनेज ने उसे रोक दिया। लेकिन फुटबॉल में लगातार दबाव आखिरकार असर दिखाता है। 106वें मिनट में निको विलियम्स का हेडर फेरन टोरेस तक पहुंचा और इस बार मार्टिनेज भी कुछ नहीं कर सके।

एंजो का रेड कार्ड... और यहीं पलट गया फाइनल

90 मिनट तक अर्जेंटीना किसी तरह मुकाबले में बनी रही थी। टीम का पूरा भरोसा पेनल्टी शूटआउट पर था, लेकिन इंजरी टाइम में एंजो फर्नांडीज ने ऐसी गलती कर दी जिसने पूरी बाजी बदल दी।

पाउ क्यूबार्सी पर टैकल के बाद रेफरी ने एंजो को दूसरा येलो कार्ड दिखाया और फिर रेड कार्ड। अर्जेंटीना 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई। इसके बाद स्पेन ने गेंद पर और ज्यादा कब्जा जमा लिया।

सिंधु का स्वर्णिम शॉट, जापान ओपन पर पहली बार भारतीय कब्ज़ा

सिंधु का जापान ओपन 2026 का सफर

- **पहला राउंड:** मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराया।
- **दूसरा राउंड:** चीन की हान युइ को 21-16, 21-14 से हराया।
- **क्वार्टर फाइनल:** नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण नहीं उतरीं, सिंधु को वॉकओवर मिला।
- **सेमीफाइनल:** चेन यू फेई चोटिल होकर रिटायर्ड हर्ट हुईं, सिंधु फाइनल में पहुंचीं। (स्कोर: 21-19, 15-10 से आगे)
- **फाइनल:** जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया।

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं। 31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला।

सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं।

सेमीफाइनल में चेन यू फेई चोटिल होकर बाहर हुईं- सेमीफाइनल में चीन की चेन यू फेई हैम्स्ट्रिंग चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गईं। उस समय सिंधु 21-19, 15-10 से आगे थीं। इससे पहले सिंधु ने जापान की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण नहीं उतरीं, जिससे सिंधु को वॉकओवर मिला। इससे पहले दूसरे दौर में सिंधु ने चीन की हान यू को 35 मिनट में 21-16, 21-14 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

संसद का रण तैयार

मानसून सत्र से पहले सियासी मंथन, सर्वदलीय बैठक में 40 दल शामिल

राज्यसभा में पेश होगा 'वंदे मातरम' बिल

नई दिल्ली ● एजेंसी

मानसून सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, DMK सहित 40 दलों के 58 नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया।

विपक्ष इस बात से नाराज था कि सरकार ने TMC के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है।

ऑल पार्टी मीटिंग के बाद लोकसभा बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग हुई। इसमें बिलों पर चर्चा के लिए समय तय किया गया। किरेन रिजिजू ने बताया कि BAC की बैठक के मुताबिक FCRA संशोधन बिल पर 4 घंटे चर्चा होगी।

इसके अलावा आयकर संशोधन बिल के लिए 4 घंटे, जजों की संख्या से जुड़े बिल के लिए 4 घंटे, जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रेशन बिल के लिए 4 घंटे, वंदेमातरम से जुड़े बिल के लिए 4 घंटे और MSME बिल पर चर्चा के लिए 5 घंटे तय किए गए हैं।

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी। सोमवार को अमित शाह राज्यसभा में वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश करेंगे। साथ ही राज्यसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक कल दोपहर 1 बजे होगी।

जम्मू के पुंछ-किश्तवाड़ में बादल फटे, 11 मौतें

मलबे से 2 साल के मासूम का शव निकाला; नगालैंड की लैंडस्लाइड में 8 की मौत

श्रीनगर ● एजेंसी

पुंछ के सुरनकोट में लैंडस्लाइड से एक मकान मलबे में दब गया। उस वक्त घर में 8 लोग थे। इनमें 2 साल के बच्चे समेत 5 लोगों के शव बरामद किए गए। किश्तवाड़ के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा। राजौरी में भी भारी बारिश के बाद धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं।

उत्तराखंड में शनिवार को लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा के रूट पर घोड़े- खच्चरों की सेवाएं रोक दी गईं और कैलाश-मानसरोवर यात्रियों का एक जत्था भी रुक गया।

इधर, नगालैंड के मोन इलाके में हुई लैंडस्लाइड के बाद NDRF की टीमों ने मलबे से 8 शव निकाल लिए हैं, जबकि कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका है।

ईरान ने जॉर्डन-कुवैत-ओमान में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटनडीसी। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन, कुवैत, ओमान और अन्य देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भारी हमले किए और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। साथ ही, IRGC ने दावा किया है कि उसने खुजेस्तान प्रांत के अहवाज में अमेरिकी MQ-9 रीपर ड्रोन को इंटरसेप्ट कर मार गिराया। ईरानी सरकारी मीडिया ने ड्रोन गिराने का वीडियो भी जारी किया है। हालांकि अमेरिका ने अब तक IRGC के इस दावे की पुष्टी नहीं की है।

ईरानी सरकारी मीडिया ने ड्रोन गिराने का यह वीडियो शेयर किया। MQ-9 रीपर अमेरिकी सेना का अत्याधुनिक ड्रोन है, जिसका इस्तेमाल निगरानी, खुफिया जानकारी और सटीक हवाई हमलों में होता है।

ईरानी सरकारी मीडिया ने ड्रोन गिराने का यह वीडियो शेयर किया। MQ-9 रीपर अमेरिकी सेना का अत्याधुनिक ड्रोन है, जिसका इस्तेमाल निगरानी, खुफिया जानकारी और सटीक हवाई हमलों में होता है।

दूसरी ओर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर बताया कि अमेरिकी नौसेना ने अरब सागर से गुजर रहे अपने USS बॉक्सर (LHD-4) हमलावर जहाज पर तैनात F-35B स्टेल्थ फाइटर जेट्स को उड़ान के लिए तैयार कर लिया है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर सुप्रीम कोर्ट की नजर

राहुल ने पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ● एजेंसी

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने रविवार को अपनी जांच की स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल की गई है। सोमवार को मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच करेगी।

चढ़ावा चोरी से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई हैं। 13 जुलाई को हुई पिछली सुनवाई में कोर्ट ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया था। यूपी सरकार से SIT की स्टेटस रिपोर्ट एक सप्ताह में जमा करने को कहा था। यूपी सरकार ने 13 जून को मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर SIT बनाई थी। इसमें लखनऊ मंडल के कमिश्नवर विजय विश्वास पंत, आईजी किरण एस और विशेष सचिव (वित्त) नील रतन शामिल हैं।

उधर, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। खातों को सार्वजनिक किया जाए, जिससे हर भक्त जान सके कि चढ़ावे का इस्तेमाल कहां और कैसे हुआ? जांच में जो भी जिम्मेदार पाए जाएं, उनकी जवाबदेही तय हो।

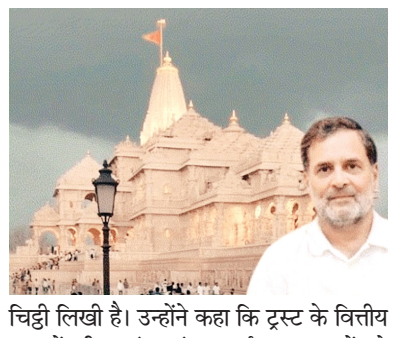

सुप्रीम कोर्ट में SIT ने सौंपी सीलबंद स्टेटस रिपोर्ट, सोमवार को होगी सुनवाई- राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले की जांच कर रही उत्तर प्रदेश सरकार की विशेष जांच टीम (SIT) ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ के समक्ष पेश की गई है।

बिहार में 40 लोगों से भरी नाव नदी में पलटी

सीतामढ़ी। नेपाल में लगातार हो रही बारिश के बाद बिहार में कोसी, बागमती समेत कई नदियां उफान पर हैं। इसी बीच रविवार को सीतामढ़ी के रुन्नीसैदपुर स्थित बागमती नदी में 40 लोगों से भरी एक नाव पलट गई। नाव पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई।

हादसे के बाद करीब 1 घंटे तक दहशत का माहौल था। हालांकि, स्थानीय लोगों ने नदी में छलांग लगाकर सभी यात्रियों को बचा लिया। कई लोग खुद तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए।

नाव चालक हम लोगों से भी कह रहा था कि आ जाइए, नदी पार करा देंगे। दूसरी बार में देर हो जाएगी, जल्दी पहुंच जाएंगे, लेकिन हमने नाव पर ज्यादा भीड़ देखकर मना कर दिया। थोड़ी ही देर बाद नाव पलटने की जानकारी मिली।

अकादमी के फैकल्टी सदस्य, विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थी उपस्थित रहे

आबकारी विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

इंदौर ● संवाददाता

कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी में निर्देशानुसार - आबकारी विभाग इंदौर द्वारा 'नशा मुक्त भारत अभियान 2.0' के अंतर्गत राजीव गांधी चौराहा स्थित आकार आईएएस एकेडमी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अकादमी के फैकल्टी सदस्य, विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री कमलेश सोलंकी ने अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उनका भविष्य उनके सही निर्णयों पर निर्भर करता है। नशा व्यक्ति के सपनों, स्वास्थ्य, व्यक्तित्व तथा सामाजिक जीवन को प्रभावित करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए आत्मानुशासन, सकारात्मक सोच एवं नशामुक्त जीवनशैली सफलता की पहली शर्त है। उन्होंने उपस्थित अभ्यर्थियों से अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने तथा स्वयं नशे से दूर रहकर दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। आबकारी उप निरीक्षक श्री आशीष जैन ने अपने संबोधन में कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं का सबसे बड़ा नशा उनका लक्ष्य होना चाहिए, न कि कोई मादक पदार्थ। उन्होंने कहा कि सफलता और व्यसन कभी साथ नहीं चल सकते। नशे की शुरुआत प्रायः 'सिर्फ एक बार' से होती है, लेकिन धीरे-धीरे वही आदत व्यक्ति की इच्छाशक्ति, निर्णय क्षमता, आत्मविश्वास एवं वर्षों की मेहनत को कमजोर कर देती है। एक सिगरेट का कश हो या शराब का एक पैग, यह केवल स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि व्यक्ति के सपनों, परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी बाधक बनता है। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपने लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, नशामुक्त जीवनशैली अपनाने तथा अपने मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। आबकारी उप निरीक्षक श्रीमती त्रिअंबिका शर्मा ने युवाओं से नशे के प्रति सजग रहने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने उपस्थित अभ्यर्थियों को 'नशा मुक्त भारत अभियान 2.0' के अंतर्गत नशामुक्त भारत निर्माण का सामूहिक संकल्प दिलाते हुए स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प कराया।

नशामुक्त समाज का निर्माण करना

वक्ताओं ने बताया कि भारत सरकार द्वारा संचालित "नशा मुक्त भारत अभियान 2.0" का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से नशे के विरुद्ध व्यापक जनजागरुकता फैलाना, युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करना तथा स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज का निर्माण करना है। विभागीय अधिकारियों एवं उपस्थित अभ्यर्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरुकता कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

नशा मुक्त अभियान के तहत आबकारी विभाग की कार्रवाई, 150 पाव अवैध मदिरा एवं वाहन जब्त

इन्दौर। जिले में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में संचालित नशा मुक्त अभियान 2.0 के तहत आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक श्रीमती प्रियंका रानी चौरसिया एवं उनकी टीम ने गत दिवस गश्त के दौरान पवनपुत्र नगर क्षेत्र में संदेह के आधार पर दोपहिया वाहन (एक्टिवा) क्रमांक एमपी-09-जेडएल-3387 की तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन में रखे सफेद रंग के थैले से 150 पाव मसाला मदिरा (कुल 27 बल्क लीटर) बरामद की गई, जिसका अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया। आबकारी दल ने अवैध मदिरा एवं वाहन को जब्त कर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 (संशोधित 2000) की धारा 34(1)(क) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया है।

संक्षेप

स्टेशन निर्माण के दौरान रहवासियों ने किया था विरोध

इंदौर। छोटा गणपति मेट्रो स्टेशन निर्माण के कारण महंत कॉम्प्लेक्स के रहवासियों के विरोध के बाद शनिवार को मेट्रो प्रबंधन टीम ने इस इमारत पर कंपन मापा। मेट्रो के अधिकारी कॉम्प्लेक्स की छत पर सुबह आठ पहुंचे और रहवासियों को भी बुलाया गया। छत पर सेंसर लगाया गया और उसी दौरान मेट्रो प्रोजेक्ट की पाइलिंग मशीन से काम शुरु करवाया गया। इस दौरान कॉम्प्लेक्स छत पर रखी गई मशीन में 0.1 से 0.5 मिलीग्राम प्रति सेकेंड तीव्रता दर्ज की गई। मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों के मुताबिक निर्माण कार्य के दौरान कंपन की अधिकतम तीव्रता 5.0 मिलीग्राम प्रति सेकेंड निर्धारित है। इस वजह से यहां की इमारत में कंपन तीव्रता से कम ही मिला है।

सब्सिडी और बड़े लेनदेन की जानकारी छिपाना पड़ेगा भारी

इंदौर। आयकर रिटर्न (ITR) दाखिल करने वालों के लिए इस बार कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। आयकर विभाग ने रिटर्न फॉर्म में ऐसे नए प्रावधान जोड़े हैं, जिनका उद्देश्य वित्तीय लेनदेन में अधिक पारदर्शिता लाना और कर चोरी पर प्रभावी रोक लगाना है। अब केवल आय ही नहीं, बल्कि कुछ विशेष प्रकार की प्राप्तियों और लेनदेन की जानकारी भी रिटर्न में देना अनिवार्य हो गया है। यदि किसी करदाता को एक वित्तीय वर्ष के दौरान 50 हजार रुपये या उससे अधिक का गिफ्ट मिला है, तो उसकी जानकारी भी आयकर रिटर्न में दर्ज करनी होगी। विभाग का मानना है कि इससे बैंक खातों और घोषित आय के बीच अंतर को कम करने में मदद मिलेगी।

निर्माणाधीन सुरंग से निकलने को लेकर ग्रामीणों ने किया विवाद

इंदौर। इंदौर-खंडवा राजमार्ग पर निर्माणाधीन सुरंग से गुजरने की लोगों की जल्दबाजी अब चिंता बढ़ा रही है। शनिवार को चोरल सुरंग में करीब 500 मीटर लंबी सुरंग बनी रही है। यहां निर्माण एजेंसी ने सुरक्षा के लिए सुरंग के दोनों ओर बैरिकेड व गेट लगा रखे है। यहां तक कि सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए है। मगर शनिवार को ग्रामीणों ने निर्माणाधीन सुरंग से गुजरने को लेकर जमकर विवाद किया। ताला तोड़ने के अलावा सुरक्षाकर्मी से भी विवाद किया है। वहीं कुछ वाहन चालक नियमों की अनदेखी करते हुए जबरन सुरंग में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। महीनेभर पहले भी निर्माणधीन सुरंग से गुजरने को लेकर ग्रामीणों और मेघा इंजीनियर के कर्मचारियों के बीच विवाद हुआ। तीन किलोमीटर का चक्कर बचाने के चलते ग्रामीण यहां से निकल रहे है। घटना के बाद निर्माण एजेंसी ने सुरंगों के दोनों तरफ गेट लगा दिया।

पुश्तैनी मकान के विवाद में रिश्तेदारों ने लाठी-डंडों से पीटा

महिला के कपड़े तक फाड़े; भाई भी घायल

इंदौर ● संवाददाता

पुश्तैनी मकान के विवाद को लेकर जमकर मारपीट हुई। पहले महिला और उसकी मां के साथ मारपीट की गई। इसके बाद शिकायत दर्ज कराने के कुछ ही देर बाद आरोपियों ने महिला के नेहरू नगर स्थित पुश्तैनी घर पहुंचकर दोबारा हमला कर दिया। आरोप है कि महिला को बेरहमी से पीटा गया, जिससे उसके कपड़े तक फट गए। बीच-बचाव करने आए उसके भाई के साथ भी मारपीट की गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

एमआईजी पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 32 वर्षीय महिला ने बताया कि उसके चाचा का कुछ समय पहले ही निधन हुआ है। इसके बाद परिवार के कुछ सदस्यों के बीच नेहरू नगर स्थित पुश्तैनी मकान को लेकर विवाद शुरू हो गया। शनिवार दोपहर इसी विवाद के चलते हीरा नगर क्षेत्र में महिला और उसकी मां के साथ रिश्तेदारों ने मारपीट की, जिसमें दोनों घायल हो गईं। घटना के बाद पीड़िता ने हीरा नगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जबकि उसकी मां मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल चली गई। इसी दौरान आरोप है कि प्रफुल बार्गल, शिवाजी लांबाते, पीयूष, निलेश टिक्कल सहित अन्य लोग 5-6 महिलाओं और 6-7

पुरुषों के साथ नेहरू नगर स्थित पुश्तैनी घर पहुंच गए। वहां उन्होंने दोबारा हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पीड़िता अपने भाई विशाल के साथ मौके पर पहुंची तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। महिला के साथ इतनी मारपीट की गई कि उसके कपड़े तक फट गए। बीच-बचाव करने आए विशाल के हाथ में भी गंभीर चोट आई। घटना के दौरान इलाके में लोगों की भीड़ जमा हो गई। मारपीट की पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिसमें आरोपी हमला करते नजर आ रहे हैं। एमआईजी थाना प्रभारी सी.बी. सिंह ने बताया कि महिला की शिकायत पर प्रफुल बार्गल, शिवाजी लांबाते, पीयूष और निलेश टिक्कल सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

ई-रिक्शा में ले जा रहे थे 70 हजार की शराब

इंदौर। कनाडिया पुलिस ने ई-रिक्शा से शराब ले जाने वाले दो को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 70 हजार रुपए कीमत की शराब भी जब्त की गई है। इसके साथ ही पुलिस ने 5 लाख रुपए कीमत का ई-रिक्शा भी जब्त कर लिया है। कनाडिया पुलिस के मुताबिक पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि दो लोग ई-रिक्शा में अंग्रेजी शराब भरकर फिनिक्स मॉल की तरफ जा रहे है, जिस पर पुलिस ने घेराबंदी की और ई-रिक्शा को रोका। रिक्शा की तलाशी ली तो उसने पीछे की तरफ कार्टुन रखे हुए थे, जिसमें अंग्रेजी शराब व बीयर भरी हुई थी। पूछताछ में दोनों ने अपने नाम जगदीश (60) पिता सूरजमल वर्मा और हरदेवसिंह (29) पिता सुखसिंह परमार निवासी कस्वा दवोह जिला भिंड हाल पता स्कीम नंबर 134 वसुंधरा अपार्टमेंट के पीछे बताया।

50 फीट ऊंचे रथ पर विराजे जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा

इंदौर। शहर की सड़कों पर रविवार को कृष्णभक्ति का ज्वार नजर आया। इस्कॉन मंदिर की अगुवाई में ओडिशा के पुरी की तर्ज पर भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकली। 50 फीट ऊंचे हाइड्रोलिक रथ पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा विराजे थे। पूरे यात्रा मार्ग पर हरे राम, हरे कृष्ण तथा जगन्नाथ... चका नयन के भजनों से माहौल भक्तिमय हो गया। रथयात्रा में विदेशी भक्त भी शामिल हुए। हाइड्रोलिक रथ की रस्सियां थामकर भगवान का रथ भक्तों ने खींचा और भक्ति में लीन नजर आए। अन्नपूर्णा मंदिर से रविवार शाम को रथयात्रा निकली। मथुरा से विशेष पोशाक लाई गई थीं। जो भगवान जगन्नाथ को पहनाई गईं। हाइड्रोलिक तकनीक से बने रथ की ऊंचाई के हिसाब से उसे ऊपर-नीचे किया जा रहा था।

काबिलियत् को सलाम कार्यक्रम मे शामिल हुए

सफलता कोई लक्ष्य नहीं,बल्कि एक यात्रा है : संभागायुक्त डॉ. खाड़े

इंदौर ● संवाददाता

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि ब्रेकिंग न्यूज़ के पीछे एक पत्रकार का बड़ा संघर्ष होता है। पत्रकार का पेशा बड़ा कठिन है वह दिन- रात परिश्रम करता है, फिर चाहे मौसम कैसा भी हो। उन्होंने एक कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि सफलता कोई लक्ष्य नहीं है एक यात्रा है और इसके बाद एक नई यात्रा की शुरुआत होती है। उन्होंने कहा कि सफलता मिलने का समय निश्चित नहीं होता, वह कभी भी प्राप्त हो सकती है, हमेशा उसे पाने के लिए तैयार रहे। संभागायुक्त डॉ. खाडे आज इंदौर प्रेस क्लब द्वारा माथुर सभागृह में आयोजित काबिलियत को सलाम कार्यक्रम में अपना संबोधन दे रहे थे।

कार्यक्रम मे पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, शिक्षाविद् सिद्धांत जोशी, सुश्री शोभा पैठनकर, प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में पत्रकारों के ऐसे 100 से अधिक बच्चों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने स्कूली शिक्षा (कक्षा 5वीं से लेकर कक्षा 12वीं) की वार्षिक परीक्षाओ में 80 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने बच्चों से कहा कि वे कठोर परिश्रम करें और आगे बढ़ते रहे तथा चुनोतियों से घबराये नहीं। उन्होंने कहा कि सभी बच्चे नशे से दूरी बनाये।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने सभी बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने प्रयासो में कभी भी कमी नहीं आने दें । हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करें, जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहें। उन्होंने सभी बच्चों और उनके अभिभावकों तथा पत्रकारों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही नशे से दूरी है जरूरी 2. 0 अभियान की शुरुआत की। यह अभियान आगामी 31 जुलाई तक चलेगा। इस अभियान के तहत अभी तक 6 लाख लोगों को नशे से दूरी की ऑफलाइन शपथ दिलाई गई। सोशल मीडिया के माध्यम से यह अभियान अभी तक 35 लाख लोगों तक पहुँचा है। लक्ष्य है 7 करोड़ लोगों तक पहुँचना है। सुश्री पैठनकर ने कहा कि बच्चों को अच्छे संस्कार परिवार से जबकि शिक्षा विद्यालय से मिलती हैं।

उपहार देकर सम्मानित किया

कार्यक्रम में ऐसे प्रतिभाशाली बच्चे भी सम्मानित हुए जिन्होंने विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की। अतिथियों द्वारा सभी मेधावी बच्चों को प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया और समूह चित्र खिंचवाई। कार्यक्रम का संचालन इंदौर प्रेस क्लब के महासचिव श्री प्रदीप जोशी ने किया। कार्यक्रम मे बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी एवं नागरिकगण उपस्थित हुए।

बाइक-सवार पर डंडे से हमला करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में बाइक सवार पर डंडे से हमला कर उसे घायल करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी की तलाश जारी है। आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुलिस को 250 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी पड़ी, जिसके बाद उनका सुराग मिला।

एमआईजी थाना प्रभारी सी.बी. सिंह ने बताया कि 17 जुलाई को फरियादी निखिल (22) पुत्र विनोद पाटिल, निवासी कृष्णबाग कॉलोनी, ड्यूटी खत्म कर बाइक से सत्यसाई चौराहे से अपने घर जा रहा था। अलसुबह करीब 4 बजे जब वह बर्फानी धाम स्थित पानी की टंकी के पास पहुंचा, तो सड़क पर पड़ी एक ईंट को बाइक पर बैठे-बैठे पैर से हटाने लगा। तभी सामने से बाइक पर आए तीन बदमाशों में से एक ने उसके मुंह पर डंडे से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस दोनों आरोपियों को घटना स्थल पर लेकर

पहुंची, जहां उनसे वारदात का घटनाक्रम समझा गया। पुलिस ने पूछा कि वे किस दिशा से आए और हमला करने के बाद किस रास्ते से फरार हुए। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। गिरफ्तारी के दौरान हुई धक्का-मुक्की में आरोपी घायल हो गए थे, जिसके कारण उन्हें चलने में भी परेशानी हो रही थी। वे पुलिसकर्मियों के सहारे चलते नजर आए।

250 सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तब मिला सुराग

घटना के बाद फरियादी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों के निर्देश पर विशेष पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के 250 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में आरोपियों के हुलिए और पहने हुए कपड़ों के रंग के आधार पर उनकी पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने गौतम पुत्र गोपाल बिल्लौरे और अरुण पुत्र मुकेश बनिया, दोनों निवासी कृष्णबाग कॉलोनी, को गिरफ्तार कर लिया। वहीं तीसरे आरोपी शुभम पुत्र राकेश रोकड़े, निवासी कृष्णबाग कॉलोनी, की तलाश जारी है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल डंडा और बाइक भी जब्त कर ली है।

इंदौर में तेज रफ्तार कार चाय की गुमटी में घुसी

इंदौर ● संवाददाता

लसूडिया थाना क्षेत्र में रविवार तड़के एक तेज रफ्तार कार चाय की गुमटी में घुस गई। हादसे के बाद ड्राइवर ने कार रिवर्स लेने की कोशिश में दो बाइक को भी टक्कर मार दी। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह कार लेकर फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ड्राइवर की तलाश कर रही है।

घटना स्कीम नंबर-78 स्थित टेलीपरफॉर्मेंस के बाहर की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक अर्टिगा कार तेज रफ्तार में आई और संतुलन बिगड़ने से सड़क किनारे लगी चाय की गुमटी में जा घुसी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ड्राइवर

नशे की हालत में था। गुमटी से कार निकालने के दौरान उसने रिवर्स लेते हुए पास में खड़ी दो बाइक को भी टक्कर मार दी। इस दौरान सड़क किनारे खड़े लोगों की ओर भी कार बढ़ गई, जिससे लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे। मौके पर मौजूद लोगों ने कार ड्राइवर को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह मौके से फरार हो गया। पुलिस को घटना के सीसीटीवी वीडियो मिले हैं। फुटेज के आधार पर कार और उसके ड्राइवर की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है।

कमरे में बिखरा मिला सामान, हत्या की आशंका; पुलिस हर पहलू से जांच में जुटी

कारखाना संचालक का घर में खून से सना शव मिला

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र के राज नगर में रविवार सुबह एक कारखाना संचालक का घर में खून से सना शव मिला। मृतक की पहचान 50 वर्षीय कमल कुमावत के रूप में हुई है। उनके शरीर पर चोट के कई निशान मिले हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर हत्या की आशंका के साथ जांच शुरू कर दी है।

सुबह भाई ने देखा शव

पुलिस के मुताबिक, कमल कुमावत रविवार सुबह काफी देर तक नीचे नहीं आए। इस पर उनके भाई शेखर उन्हें देखने ऊपर कमरे में पहुंचे। दरवाजा खोलने पर कमरे में खून फैला हुआ था और कमल का शव पड़ा मिला। उन्होंने तुरंत परिवार और पुलिस को सूचना दी। परिजनों के अनुसार, कमरे का सामान भी बिखरा हुआ मिला है। इससे आशंका जताई जा रही है कि घटना से पहले संघर्ष हुआ हो सकता है। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है।

अलमारी का कारखाना चलाते थे

परिवार ने बताया कि कमल कुमावत अलमारी बनाने का कारखाना संचालित करते थे। कमल की पत्नी की मौत पहले ही हो चुकी है। उनके दो बच्चे हैं, जो घटना के समय गांव गए हुए थे। परिवार में कमल के तीन भाई भी हैं। पुलिस हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

शव के पास पड़ा मिला चाकू

चंदन नगर थाना पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हत्या के कारण और आरोपियों का पता लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, कमल कुमावत का शव घर की पहली मंजिल पर पड़ा मिला। शव के पास खून से सना एक चाकू भी मिला है।

पूछा- चुनाव से पहले यहां कब नजर आए थे; आशुतोष बोले- जीत के लिए आशीर्वाद चाहिए

जीतू पटवारी ने भाजपा प्रत्याशी को मंच पर बुलाया

संवाददाता ● दतिया

दतिया विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के बीच रविवार को चिरूला गांव में अलग ही नजारा देखने को मिला। एक तरफ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी गांव में जनसंपर्क कर रहे थे। इसी दौरान दोनों नेता आमने-सामने आ गए।

भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी जनसंपर्क करते हुए जीतू पटवारी की सभा के पास से गुजर रहे थे। उन्होंने दूर से ही हाथ जोड़कर जीतू पटवारी का अभिवादन किया। इसके बाद आगे बढ़ने लगे। मंच से यह देख रहे जीतू पटवारी ने उन्हें आवाज लगाई और कहा- पास आकर मिलो न... इतनी दूर से क्यों जा रहे हो यार। ऐसे नहीं चलेगा।

पास पहुंचे तो पूछा- चुनाव से पहले यहां कब नजर आए थे?

जीतू पटवारी के बुलाने पर आशुतोष तिवारी मंच के पास पहुंचे। इसके बाद पटवारी ने मुस्कुराते हुए उनसे कहा- एक तो आप पहली बार यहां आए हो, चुनाव लड़ने के लिए। इससे पहले तो आए नहीं। फिर भी दूर-दूर से जाओगे तो कैसे चलेगा? सभा में मौजूद लोग दोनों नेताओं के बीच हो रही इस बातचीत को ध्यान से सुनते रहे।

आशुतोष ने जीतू के हाथ से माइक लिया, भाजपा के लिए मांगा आशीर्वाद

बातचीत के दौरान आशुतोष तिवारी ने जीतू पटवारी के हाथ से माइक लिया। मंच से मौजूद लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'हमारी विचारधारा अलग-अलग है, लेकिन हमारे परिवार के रिश्ते हैं। बहुत पुराने रिश्ते हैं। आप सबसे मैं प्रार्थना करता हूं कि आपका आशीर्वाद भारतीय जनता पार्टी को मिले। सिर झुकाकर आपके आशीर्वाद की अपेक्षा करता हूं। सभा में मौजूद लोगों ने दोनों नेताओं की इस बातचीत को ध्यान से सुना। कुछ देर के लिए कांग्रेस की सभा में भाजपा प्रत्याशी का संबोधन भी चर्चा का विषय बन गया।

जीतू ने फिर रोका, बोले- यहां किसी ने आपको पहले नहीं देखा

आशुतोष तिवारी के बोलने के बाद जीतू पटवारी ने दोबारा उनके हाथ से माइक लिया और कहा, एक मिनट आशुतोष जी, आपका अधिकार है आशीर्वाद मांगना। इसी दौरान आशुतोष वहां से जाने लगे तो जीतू ने उन्हें रोकते हुए कहा, मैंने यहां सबसे पूछा कि इससे पहले आशुतोष जी को कभी देखा है? एक भी हाथ नहीं उठा। इस पर आशुतोष तिवारी ने जवाब दिया, 'सबको जानकारी है। यहीं का रहने वाला हूं, यहीं घर है। बचपन से यहां हूं। इतना कहकर वे वहां से आगे बढ़ गए। अपना जनसंपर्क जारी रखा। दोनों नेताओं के बीच हुई पूरी बातचीत का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

दोनों दलों ने प्रचार में झोंकी ताकत

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने कुंवर घनश्याम सिंह को उम्मीदवार बनाया है। उनके समर्थन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता लगातार जनसभाएं और जनसंपर्क कर रहे हैं। वहीं भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के पक्ष में भी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी लगातार चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। दोनों दल पूरे दमखम के साथ चुनाव मैदान में हैं।

संक्षेप

ढाबे से लौटे युवक की संदिग्ध मौत

अशोकनगर। शहर की गंगानगर कॉलोनी में 34 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार सुबह जिला अस्पताल में उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने एक युवक पर खाने में जहरीला पदार्थ मिलाकर खिलाने और मृतक की पत्नी को ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, हिनोतिया पछार निवासी बिशनलाल पिता नारायण सिंह अहिरवार (34), जो वर्तमान में गंगानगर कॉलोनी में रहता था, शनिवार रात गुरु धाम कॉलोनी निवासी अनिल अहिरवार के साथ एक ढाबे पर खाना खाने गया था।

आवास योजना की रकम बनी वृद्धा की हत्या की वजह

अशोकनगर। कदवाया थाना क्षेत्र में एक वृद्ध महिला की हत्या का मामला पुलिस ने महज 10 घंटे में सुलझा लिया है। इस मामले में रविवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, हत्या की वजह आवास योजना की राशि को लेकर विवाद था। पुलिस को 18 जुलाई को ग्राम कदवाया निवासी बल्लू आदिवासी ने हत्या की सूचना दी थी। इसके बाद एसडीओपी चंदेरी महेश कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने मृतका के बैंक खाते और उससे जुड़े मोबाइल नंबर की तकनीकी जांच की। जांच में सामने आया कि खाते से जुड़ा मोबाइल नंबर ग्राम चाटोली निवासी प्रदीप गुर्जर इस्तेमाल कर रहा था।

हटा नाका को महर्षि वाल्मीकि चौराहा बनाने की मांग

दमोह। हटा नाका चौराहे का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखने की मांग तेज हो गई है। रविवार को वाल्मीकि समाज ने चौराहे पर महर्षि वाल्मीकि के होर्डिंग लगाकर जनजागरण अभियान चलाया। समाज ने आमजन से चौराहे को 'महर्षि वाल्मीकि चौराहा' के नाम से संबोधित करने की अपील की। इस अभियान को सकल हिंदू समाज का भी समर्थन मिला। इससे पहले मंगलवार को वाल्मीकि समाज ने जनसुनवाई में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर हटा नाका चौराहे पर महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा स्थापित करने और चौराहे का नाम उनके नाम पर रखने की मांग की थी। प्रशासन ने प्रस्ताव राज्य शासन को भेजने की बात कही थी। रविवार दोपहर बड़ी संख्या में वाल्मीकि समाज और सकल हिंदू समाज के सदस्य हटा नाका चौराहे पर एकत्र हुए। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के चित्र वाले होर्डिंग लगाए।

NH-46 पर कार की बाइक में टक्कर, 3 की मौत

गुना में 7 साल के मासूम समेत माता-पिता ने दम तोड़ा

संवाददाता ● गुना

गुना जिले के भदौरा क्षेत्र में नेशनल हाईवे-46 पर रविवार शाम हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार पति, पत्नी और उनके 7 वर्षीय बेटे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतकों की पहचान मनोज कुशवाह (34), उनकी पत्नी मालती कुशवाह (30) और बेटे कार्तिक (7) निवासी पिपरौदा के रूप में हुई है। हादसे के बाद ग्रामीणों ने कार चालक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। कार ग्वालियर से गुना तरफ आ रही थी। वहीं बाइक सवार भी गुना तरफ ही आ रहे थे। कार ने पीछे से बाइक को टक्कर मारी है।

हाईवे पर हुआ भीषण हादसा

जानकारी के अनुसार, हादसा रविवार शाम करीब 4:45 बजे नेशनल हाईवे क्रमांक-46 पर भदौरा के पास हुआ। अर्टिगा कार ग्वालियर की ओर से गुना की तरफ आ रही थी, बाइक सवार भी ग्वालियर से गुना की ओर से जा रहे थे। इसी दौरान कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार मनोज कुशवाह, उनकी पत्नी मालती और 7 वर्षीय बेटे कार्तिक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

ग्रामीणों ने चालक को पकड़ा

घटना के बाद ग्रामीणों ने कार चालक को मौके पर ही पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि चालक किराए की टैक्सी चलाता है और उस समय एक परिवार को लेकर जा रहा था। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। म्याना थाना प्रभारी TI ब्रजमोहन भदौरिया ने बताया कि भदौरा पुल के पास एक सड़क हादसा हुआ है। ग्वालियर तरफ से आ रहे कार ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में पिपरौदा के रहने वाले तीन लोगों की मौत हो गई है। तीनों शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल में रखवा दिए गए हैं। ड्राइवर को पकड़ लिया है। साथ ही कार भी जब्त कर थाने में खड़ी करा दी है।

8.7 किलो गांजा जब्त, ओडिशा से आ रही खेप पकड़ी

जबलपुर। क्राइम ब्रांच, सिविल लाइन और गोसलपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीमों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 किलो 765 ग्राम गांजा जब्त किया है। यह अवैध खेप ओडिशा से जबलपुर लाकर शहर में खपाने की तैयारी थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर पुलिस ने संदिग्ध हालत में खड़े नंदनी गढ़वाल (37) निवासी कटनी (वर्तमान पता प्रेमसागर, हनुमानताल) और महेंद्र भट्ट (27) निवासी झंडा चौक हनुमानताल को पकड़ा। तलाशी के दौरान नंदनी के बैग से खाखी टेप से लिपटे 5 पैकेट मिले, जिनमें कुल 5 किलो 700 ग्राम गांजा भरा था।

चलती इनोवा का टायर फटा, मिनी से टकराई

सिवनी। जिले के छपारा थाना इलाके में बाईपास पर बने पेट्रोल पंप के पास रविवार दोपहर एक्सीडेंट में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। घायलों में से एक की हालत नाजुक होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, आडेगांव से डाक विभाग के पांच कर्मचारियों को लेकर एक इनोवा गाड़ी सिवनी की तरफ जा रही थी। छपारा बाईपास पर पेट्रोल पंप के पास अचानक इनोवा का टायर फट गया। गाड़ी की रफ्तार तेज थी, जिसके कारण टायर का पिछला पहिया निकलकर सामने से आ रही एक आयशर गाड़ी से जा टकराया। इस टक्कर में आयशर गाड़ी में बैठे 21 साल के राहुल जाट की मौके पर ही मौत हो गई। वह हरियाणा का रहने वाला था।

टीचर्स बोले- नियम सिर्फ आगे होने वाली नई भर्तियों पर ही लागू हो

TET से राहत दिलाई जाए, सांसद को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता ● बड़वानी

संसद का मानसून सत्र शुरू होने के मौके पर 'अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा, बड़वानी' के कुछ सदस्य सांसद गजेंद्र सिंह पटेल से मिलने पहुंचे। उन्होंने सांसद को एक ज्ञापन सौंपकर मांग की कि पुराने समय से काम कर रहे शिक्षकों को टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (TET) के कानूनी पचड़ों से राहत दिलाई जाए और इसके लिए केंद्र सरकार से जरूरी कानून बनवाया जाए।

शिक्षकों ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) के पुराने नियमों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द किए जाने के बाद से देशभर के लाखों शिक्षकों की नौकरी और अधिकारों पर संकट मंडराने लगा है।

पुराने शिक्षकों पर न थोपा जाए नया नियम

शिक्षकों का कहना है कि आज टीईटी (TET) नियम की ऐसी समझ बनाई जा रही है, जिससे उन शिक्षकों पर भी असर पड़ रहा है जिनकी भर्ती टीईटी नियम आने से पहले ही पूरी कानूनी प्रक्रिया के तहत हो चुकी थी। शिक्षकों के मुताबिक, यह बात पूरी तरह गलत और नाइंसाफी है। उन्होंने सांसद से गुजारिश की कि संसद के इसी मानसून सत्र में शिक्षा का अधिकार कानून (RTE Act) में जरूरी बदलाव करने के लिए बिल या अध्यादेश लाया जाए। कानून में यह साफ-साफ लिखा जाए कि टीईटी (TET) का नियम सिर्फ आगे होने वाली नई भर्तियों पर ही लागू होगा और पुराने शिक्षकों की नौकरी पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। शिक्षकों ने तर्क दिया कि टीईटी (TET) का मकसद शिक्षा का स्तर सुधारना था, न कि सालों से पढ़ा रहे शिक्षकों को परेशान करना। इसलिए पुराने शिक्षकों के लिए एक अलग और सही कानूनी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, जिससे शिक्षा व्यवस्था भी ठीक से चलती रहे।

इस मौके पर ये लोग मौजूद थे

इस मौके पर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के हेमेंद्र मालवीय, अशोक कुशवाहा, शैलेन्द्र जाधव, निलेश भावसार, अंजूला राठौड़, अनिता चोयल, लक्ष्मी सोलंकी, धर्मेंद्र भावसार, नारायण चौहान, लोकेश भट्ट, मंजूला चौहान, सुरेश डावर, दिनेश कमल, संतोष बघेल, संतोष कुशवाहा सहित सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे।

प्रमोशन और अन्य दिक्कतों पर भी हुई बात

इस मुलाकात के दौरान शिक्षकों ने काफी समय से रुकी हुई पदोन्नति और उसमें आ रही प्रशासनिक समेत कानूनी अड़चनों पर भी सांसद से खुलकर बात की। उन्होंने इन दिक्कतों को जल्द से जल्द दूर करने की मांग की। सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने शिक्षकों की बातों को ध्यान से सुना और मामले की गंभीरता को देखते हुए बड़े स्तर पर बातचीत कर मदद करने का भरोसा दिया।

किन्नरों ने युवक को पीटा, नग्नकर गलियों में घुमाया

संवाददाता ● खरगोन

मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में किन्नर का वेश धारण कर लोगों से पैसे मांगने वाले युवक की किन्नरों के समूह ने पिटाई की। उसके कपड़े फाड़ दिए, बाल पकड़कर जमीन पर पटका, सड़क पर घसीटा और नग्न कर गलियों में घुमाया। युवक हाथ जोड़कर रहम की भीख मांगता रहा, लेकिन पिटाई नहीं रुकी।

वीडियो में युवक लोगों से घिरा दिखाई देता है। कुछ लोग उसे पकड़कर आगे बढ़ाते, धक्का देते और मारपीट करते नजर आते हैं। युवक बार-बार हाथ जोड़कर छोड़ने की गुहार लगाता है, लेकिन किन्नरों का गुस्सा कम नहीं होता। किन्नरों ने युवक के ड्राइवर को भी डंडों से पीटा। जानकारी के मुताबिक, युवक पिछले कुछ दिनों से ऊन और आसपास के गांवों में किन्नर का वेश धारण कर लोगों से नेग मांग रहा था। स्थानीय लोगों के बीच चर्चा होने पर इसकी जानकारी किन्नर समुदाय तक पहुंची। इसके बाद समुदाय के लोगों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शुक्रवार को ऊन के नदी पार इलाके में युवक नजर आया। किन्नर समुदाय के लोगों ने उसे पहचानकर चारों तरफ से घेर लिया।

वीडियो में एक के बाद एक दिखते हैं कई दृश्य

वायरल वीडियो में युवक को पकड़कर सड़क पर ले जाते हुए देखा जा सकता है। कुछ लोग उसे धक्का देते हैं, तो कुछ मारपीट करते नजर आते हैं। वीडियो में उसके कपड़े फटते हुए भी दिखाई देते हैं। इसके बाद उसे गलियों से होते हुए बाजार की ओर ले जाया जाता है। घटना के दौरान सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो जाती है। कई लोग दूर खड़े होकर घटनाक्रम देखते हैं। कुछ लोग मोबाइल फोन से रिकॉर्डिंग करते रहते हैं। युवक भीड़ के बीच खुद को छुड़ाने की कोशिश करता है, लेकिन उसे पकड़कर आगे ले जाया जाता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, युवक कार से वहां पहुंचा था। आरोप है कि उसके साथ आए ड्राइवर के साथ भी मारपीट की गई। हालांकि विवाद कैसे खत्म हुआ, यह स्पष्ट नहीं हो सका। कुछ देर बाद युवक को छोड़ दिया गया।

50 पुलिसकर्मियों का तबादला, 3 दिन में जॉइन करना होगा

संवाददाता ● शहडोल

शहडोल जिले में पुलिस व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संजय कुमार अग्रवाल ने पुलिस महकमे में फेरबदल किया है। रविवार को जारी किए गए आदेश के तहत 1 सब इंस्पेक्टर (SI), 13 असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (ASI), 20 हेड कांस्टेबल (प्रधान आरक्षक) और 16 कांस्टेबलों (आरक्षक) समेत कुल 50 पुलिसकर्मियों के तबादले (ट्रांसफर) कर दिए गए हैं। यह आदेश तुरंत लागू कर दिया गया है।

बदले गए सभी पुलिसकर्मियों को तीन दिन के अंदर अपनी नई ड्यूटी वाली जगह पर हाजिर होने के निर्देश दिए गए हैं। तय समय पर काम न संभालने वाले कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई है।

तबादला सूची के मुताबिक, सब इंस्पेक्टर राकेश मिश्रा को सीधी थाने से सोहागपुर थाना भेजा गया है। असिस्टेंट सब इंस्पेक्टरों (ASI) में चंद्रशेखर श्रीवास्तव को जैतपुर, स्वतंत्र सिंह को साइबर सेल, राजेंद्र तिवारी को कोतवाली, अवधराज सिंह को एसडीओपी दफ्तर धनपुरी, रामरतन शुक्ला को देवलौंद, सुरेंद्र कुशवाहा को सीधी, श्रीनिवास तिवारी को कोतवाली, क्लेमेंट जॉन को पपौंध, रामानंद तिवारी को गोहपारू, समर लाल बनवासी को जैतपुर, दीपक सिंह परिहार को सीधी और संतोष कुमार मिश्रा को केशवाही चौकी में तैनात किया गया है।

कोर्ट ने जारी किया गिरफ्तारी वारंट

पति को कैंसर, बिना तलाक पत्नी ने की दूसरी शादी

संवाददाता ● रतलाम

रतलाम में सोशल मीडिया से शुरू हुई एक प्रेम कहानी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक तरफ जहां पति कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा है, वहीं उसकी पत्नी पर कानूनी रूप से तलाक लिए बिना ही दूसरी शादी करने का आरोप लगा है। अब इस मामले में कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी पत्नी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती, फिर परिवारों की रजामंदी से शादी

रतलाम की राजस्व कॉलोनी के रहने वाले आकाश जाट की मुलाकात इंस्टाग्राम के जरिए रतलाम की ही साक्षी नकुम से हुई थी। 6 महीने की दोस्ती के बाद दोनों ने 20 नवंबर 2022 को इंदौर के आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली। शुरुआत में परिवारों ने विरोध किया, लेकिन बाद में वे मान गए। 13 दिसंबर 2022 को पूरे रीति-रिवाजों के साथ रतलाम में दोबारा शादी की गई।

फैमली कोर्ट में पत्नी की तलाक अर्जी खारिज

18 अप्रैल 2026 को फैमिली कोर्ट ने साक्षी की तलाक की अर्जी को पूरी तरह खारिज कर दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा- पत्नी ने दावा किया था कि उसे अप्रैल 2023 में घर से निकाल दिया गया था, लेकिन रिकॉर्ड के अनुसार, नवंबर 2023 में वह अपने पिता के साथ मैरिज रजिस्ट्रेशन ऑफिसर के सामने शादी का सर्टिफिकेट साइन करने गई थी।

4 महीने बाद लगा कैंसर का पता और बदल गए रिश्ते

शादी के महज चार महीने बाद आकाश की तबीयत बिगड़ने लगी। वडोदरा (गुजरात) में जांच के दौरान 10 अप्रैल 2023 को पता चला कि आकाश को सांस नली का कैंसर है। आकाश का कहना है कि कैंसर का पता चलते ही साक्षी का व्यवहार पूरी तरह बदल गया। उसने साथ निभाने के बजाय दूरी बना ली और कहा- तुम तो कल मर जाओगे, मेरा क्या होगा? आकाश जब अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहा था, तब साक्षी ने महिला थाने में उसके खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज करा दी। हालांकि, मेडिकल रिकॉर्ड पेश करने पर पुलिस ने आकाश पर कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद साक्षी ने फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर कर दी। तलाक का मामला अभी कोर्ट में लंबित ही था और दोनों कानूनी रूप से पति-पत्नी थे, इसी बीच 10 जून 2024 को साक्षी ने छतरपुर के एक युवक से दूसरी शादी कर ली। इस शादी से उन्हें एक बेटी भी हुई।

संवादहीनता की वजह से ही समाज में असंतोष व्याप्त हो रहा है : पूर्व सांसद रामकृष्ण शर्मा

इंदौर ● संवाददाता

एक सौ एक वर्षीय समाजवादी चिंतक, विचारक एवं पूर्व सांसद पंडित रामकृष्ण शर्मा ने कहा कि आज के दौर में सबसे बड़ा संकट संवादहीनता का है। संवादहीनता की वजह से ही समाज में बड़ा असंतोष व्याप्त हो रहा है।

पंडित रामकृष्ण शर्मा स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से चर्चा कर रहे थे। पंडित शर्मा राजस्थान के भरतपुर से चार मर्तबा विधायक एवं एक बार सांसद रह चुके हैं। पंडित शर्मा हाल ही में आंदोलनकारी सोनम वांगचुक से मिलने नई दिल्ली के जंतर मंतर पहुंचे थे और कल पुनः संसद मार्च के लिए नई दिल्ली पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारी के साथ मोदी सरकार का रवैया सदैव असंतोषजनक रहा। किसान आंदोलनकारियों को आतंकवादी, छात्रों को शहरी उपद्रवी और आम आदमी पार्टी नेताओं को कट्टर भ्रष्टाचारी कहकर सरकार जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती है। उन्होंने कहा कि देश के अनेक भ्रष्टाचार में लिप्त नेताओं को भाजपा ने सरकार में समाहित कर लिया। क्या अब भाजपा सदाचारी होने का दावा कर सकती है। उन्होंने चुनाव सुधार की पैरवी करते हुए दल बदल के खिलाफ सख्त कानून की हिमायत की। पं. शर्मा ने कहा कि वर्तमान में विरोधी पक्ष को मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने प्रमुख विपक्षी दलों को सुझाव दिया कि यदि वे किसी भी मामले में आरोप लगा रहे हैं तो साथ में विकल्प भी प्रस्तुत करें। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा में विपक्षी दलों के लिए एक दिन आरक्षित किया जाना चाहिए।

पं. शर्मा ने कहा कि सरकार की असफल नीतियों की वजह से 48% पढ़े लिखे युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। उन्हें आशंका है कि इन हालातों से त्रस्त होकर देश के युवा कहीं हथियार न उठा लेवें। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी फिजूलखर्ची करने में व्याप्त रहते हैं उन्हें इस और ध्यान देना चाहिए।

भ्रष्टाचार संबंधी एक प्रश्न के जवाब में पंडित शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचारियों पर मुकदमे के साथ निजी संपत्ति भी जप्त करना चाहिए। बड़े भ्रष्टाचारियों के खिलाफ अंतिम विकल्प फांसी की सजा का होना चाहिए क्योंकि आज इन्हें कानून का डर नहीं बचा है।

पं शर्मा ने स्वयं की सेहत का राज अपनी गरीबी को बताया। उन्होंने कहा कि

जो अभावों में जीता है वहीं दुनिया बदलने की ताकत रखता है। ईमानदारी, खुद्दारी, सच बोलना, खुद का काम स्वयं करना उनके दिनचर्या का हिस्सा है।

प्रारंभ में पं. शर्मा एवं उनके पुत्र वरिष्ठ पत्रकार संजय शर्मा का स्वागत अनिल त्रिवेदी, अनिल कुमार धड़वईवाले, रामस्वरूप मंत्री प्रवीण खारीवाल, नवनीत शुक्ला, रवीश बेंजामिन एवं पंकज क्षीरसागर ने किया।

गांव-गांव शिव चैपाल लगाकर दे रहे यात्रा का आमंत्रण

खरगोन। पवित्र श्रावण मास के पुनीत अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी चौरासी महादेव दर्शन यात्रा 09 अगस्त को बड़ी धुमधाम से निकलेगी। यात्रा में ग्रामीणों की अधिक से अधिक सहभागिता को लेकर समिति आसपास के गांव मांगरुल बुजुर्ग व खुर्द, ग्राम खेड़ी बुजुर्ग व खेड़ी, नवलपुरा, मेनगांव, पिपराटा, बड़गांव, नागझिरी, राजपुरा, गोपालपुरा, टेमला, उबदी, नंदगांव, अकावल्या सहित अन्य गांवों में शिव चौपाल लगाकर यात्रा का आमंत्रण दिया जा रहा है। चौरासी महादेव दर्शन यात्रा समिति के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र भावसार लाला ने बताया कि शिव चौपाल के दौरान प्रेरणास्त्रोत पंडित जगदीश ठक्कर ग्रामीणों को यात्रा का महत्व बताते हुए कहा कि पुराणों के अनुसार जो व्यक्ति एक दिन में चैरासी महादेव के दर्शन करता है, उसे चार धाम, बारह ज्योर्तिलिंग, गंगा स्नान आदि तीर्थों के पुण्य का लाभ मिलता है। इसलिए शहर में चैरासी महादेव दर्शन यात्रा निकाली जा रही है और यात्रा का यह 15वां वर्ष है। शिव चैपाल के दौरान पंडित ठक्कर ने कहा कि यदि आप किसी संकल्प के साथ यात्रा करते है, तो आपकी वह मनोकामना जरुर पूर्ण होगी। क्योंकि इससे पूर्व भी कई शिव भक्तों ने किसी न किसी मनोकामना को लेकर यात्रा की है, तो वह पूरी हुई है। शिव चैपाल के दौरान समिति सचिव प्रतीक गुप्ता, कोषाध्यक्ष लोकेश गोले व संतोष गुप्ता, सहसचिव प्रशांत चैहान, मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र भावसार लाला व सदस्य संतोष रघुवंशी उपस्थित थे। समिति उपाध्यक्ष किशोर रघुवंशी, हरीश पाल, मंगलसिंह सोंगर व गुरुदत्त परसाई ने बताया कि 09 अगस्त रविवार को यात्रा प्रातः 6 बजे कुंदा नदी तट स्थित श्री बडघाटेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होगी।

पात्र शिक्षक पदोन्नति से वंचित पदोन्नति सूची में कई शिक्षकों के नाम छूटे

शिक्षक संवर्ग की समस्याओं के निराकरण को लेकर संभागीय उपायुक्त के नाम सौंपा ज्ञापन

खरगोन ● संवाददाता

जिन शिक्षकों ने अपनी योग्यता नियुक्ति तिथि के बाद बढाई है उन्हें नियुक्ति तिथि से ही वरिष्ठता का लाभ दिया।जबकि वर्तमान में संभागीय उपायुक्त कार्यालय से जारी सूची में इन शिक्षकों के साथ भेदभाव करते हुए योग्यता बढ़ाने की तिथि से वरिष्ठता दी जा रही। इस कारण पात्र शिक्षक पदोन्नति से वंचित हो रहे हैं एवं बाद में नियुक्त शिक्षकों को पदोन्नति मिल रही है।

यह भी ज्ञात होगा इस प्रकार का नियम प्रदेश में कहीं भी किसी भी संभाग में नहीं है। इस आशय का ज्ञापन संभागीय उपायुक्त के नाम परियोजना प्रशासक मीना मंडलोई को अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी ने सोप सौंपा। सौपे गए ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में चल रही पदोन्नति प्रक्रिया में जारी की गई सूचियों में भारी विसंगतियां हैं जिससे जिले भर के शिक्षकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 2013-14 में नियुक्त शिक्षको के 12 वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण करने पर प्रथम क्रमोन्नती आदेश जारी करवाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाय।. पदोन्नती हेतु गोपनीय चरीत्रावली पर वर्तमान मे कार्यरत विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को हस्ताक्षर करने हेतु आदेशित किया जाए। सम्भाग स्तर से नवीन शिक्षक संवर्ग की जारी पदोन्नती सुची में कई शिक्षको के नाम छूटे है एवं कई नाम त्रुटीपूर्ण है इनके संशोधन हेतु विकासखण्ड स्तर पर आवेदन प्राप्त किए जावें। वर्तमान में स्थानान्तरण नीति 2026 के अन्तर्गत कुछ सस्थाओं मे रिक्त पदो से अधिक शिक्षको को स्थानान्तरित कर दिया है। जिससे उनके वेतन आहरण में समस्या उत्पन्न हो रही है।

परमपूज्य जैन मुनि समय सागर जी महाराज संसघ के भोपाल आगमन पर मंत्री विश्वास सारंग ने की अगवानी, लिया मंगल आशीर्वाद

एम.पी. नगर स्थित जैन मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना की

भोपाल ● संवाददाता

मध्यप्रदेश सरकार के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री तथा नरेला विधानसभा के विधायक विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को परमपूज्य जैन मुनि समय सागर जी महाराज संसघ के भोपाल आगमन पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ उनकी अगवानी की। इस अवसर पर मंत्री सारंग एम.पी. नगर स्थित जैन मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने परमपूज्य मुनिश्री के दर्शन कर उनका मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

परमपूज्य जैन मुनि समय सागर जी महाराज के भोपाल आगमन को धर्म, आध्यात्म और संस्कारों का महापर्व बताते हुए मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि संत-महात्माओं का नगर में आगमन सदैव समाज के लिए प्रेरणा, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक चेतना का संचार करता है। उनका तप, त्याग, संयम और अहिंसा पर आधारित जीवन समाज को सदाचार, नैतिकता एवं आत्मअनुशासन का संदेश देता है।

मंत्री सारंग ने कहा कि जैन धर्म की मूल भावना 'अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद' मानव जीवन को श्रेष्ठ बनाने का मार्ग प्रशस्त करती है। आज के समय में जब समाज को नैतिक मूल्यों और सामाजिक समरसता की सबसे अधिक आवश्यकता है, ऐसे में संतों का मार्गदर्शन प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि परमपूज्य समय सागर जी महाराज का आशीर्वाद प्रदेश एवं समाज के लिए मंगलकारी है।

मंत्री सारंग ने परमपूज्य मुनिश्री से प्रदेश की निरंतर प्रगति, जनकल्याण, सामाजिक सौहार्द एवं विश्व शांति के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि संतों के सान्निध्य से समाज में सेवा, करुणा, संयम और परस्पर सद्भाव की भावना मजबूत होती है तथा नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती सदैव संतों, महापुरुषों और आध्यात्मिक विभूतियों का सम्मान करती रही है। उनके सान्निध्य से समाज में सद्भाव, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की भावना को नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने परमपूज्य समय सागर जी महाराज संसघ के भोपाल आगमन का स्वागत करते हुए उनके स्वस्थ एवं मंगलमय विहार की कामना की।

शहर की हरियाली को नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार कौन, बड़ा सवाल वृक्षों की कटाई किसकी अनुमति

सौंदर्यीकरण के नाम पर हरियाली पर आरी?

टंट्या भील तिराहे पर कटे पेड़ों की शिकायत मुख्यमंत्री तक पहुंची

खरगोन ● रविन्द्र परमार

शहर के बिस्टान रोड स्थित टांट्या भील तिराहे पर सौंदर्यीकरण कार्य के नाम पर वर्षों पुराने हरे-भरे नीम के पेड़ों की कटाई का मामला अब मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच गया है। शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव,प्रमुख सचिव (वन) कलेक्टर, एसडीएम एवं वनमंडलाधिकारी को ईमेल के माध्यम से विस्तृत शिकायत भेजकर शेष वृक्षों की कटाई तत्काल रोकने, पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 16 जुलाई 2026 को स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों के विरोध के बावजूद नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा सड़क किनारे लगे चार से अधिक परिपक्व नीम के वृक्ष काट दिए गए। शिकायतकर्ता का कहना है कि प्रस्तावित सौंदर्यीकरण के नाम पर क्षेत्र के अन्य वृक्षों पर भी खतरा मंडरा रहा है।

शिकायत में कहा गया है कि वर्षों पुराने वृक्ष केवल हरियाली का हिस्सा नहीं, बल्कि सार्वजनिक संपत्ति एवं प्राकृतिक धरोहर हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 48(क) के तहत राज्य पर पर्यावरण संरक्षण का दायित्व है, जबकि अनुच्छेद 51(क)(ग) प्रत्येक नागरिक को प्राकृतिक पर्यावरण एवं वृक्षों की रक्षा का कर्तव्य सौंपता है। सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालय भी विकास कार्यों के दौरान पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने पर लगातार बल देते रहे हैं।

शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि क्या इन वृक्षों की कटाई सक्षम प्राधिकारी की विधिवत अनुमति से की गई थी? यदि अनुमति थी तो किस अधिकारी ने दी, किस नियम के तहत दी और क्या कटाई से पहले सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किया गया? यदि अनुमति नहीं थी, तो यह न केवल नियमों का उल्लंघन बल्कि पर्यावरण संरक्षण कानूनों की भी अनदेखी का मामला बन सकता है।

शिकायत में मुख्यमंत्री से मांग की गई है कि टांट्या भील तिराहे पर प्रस्तावित वृक्ष कटाई पर तत्काल रोक लगाई जाए, राजस्व, वन विभाग एवं नगर पालिका के वरिष्ठ अधिकारियों का संयुक्त जांच दल गठित कर निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों, जिम्मेदार व्यक्तियों एवं कार्य कराने वाली एजेंसी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही जांच पूरी होने तक किसी भी वृक्ष की कटाई पर रोक लगाने और सौंदर्यीकरण की योजना इस प्रकार संशोधित करने की मांग की गई है कि अधिकतम वृक्ष सुरक्षित रह सकें।

अब सबसे बड़ा सवाल...

शहर में वर्षों पुराने वृक्ष आखिर किसकी अनुमति से काटे गए? यदि नगर पालिका ने कार्रवाई की तो क्या वन विभाग से आवश्यक अनुमति ली गई? क्या जिला प्रशासन को इसकी जानकारी थी? क्या पर्यावरणीय मानकों और वैधानिक प्रक्रिया का पालन हुआ? इन सवालों के जवाब अब प्रशासन को देने होंगे।

यह मामला केवल चार पेड़ों की कटाई का नहीं, बल्कि शहर की हरियाली, पर्यावरण संरक्षण और प्रशासनिक जवाबदेही का बन गया है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि मुख्यमंत्री कार्यालय, जिला प्रशासन और वन विभाग इस शिकायत पर क्या कार्रवाई करते हैं और क्या दोष तय कर जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई होती है या मामला केवल फाइलों तक सीमित रह जाता है।

इस बीच शिकायतकर्ता द्वारा भेजे गए ईमेल पर जिला प्रशासन ने भी संज्ञान लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कलेक्टर खरगोन ने शिकायत को आवश्यक कार्रवाई हेतु एसडीएम खरगोन एवं नगर पालिका सीएमओ कमला कोल को अग्रेषित कर दिया है। इससे यह संकेत मिलता है कि मामले पर प्रशासनिक स्तर पर प्रक्रिया शुरू हो गई है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जांच किस स्तर पर और कितनी निष्पक्ष होगी। क्या संयुक्त जांच दल गठित कर यह पता लगाया जाएगा कि वृक्षों की कटाई किसकी अनुमति से हुई, क्या सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किया गया था और यदि नियमों का उल्लंघन हुआ है तो जिम्मेदार अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसी के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाएगी? या फिर यह मामला भी केवल पत्राचार तक सीमित रह जाएगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय तक शिकायत पहुंचने और कलेक्टर द्वारा एसडीएम एवं सीएमओ को प्रकरण अग्रेषित किए जाने के बाद अब शहरवासियों की निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। यदि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी होती है तो न केवल पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आएगी, बल्कि यह भी स्पष्ट होगा कि शहर की हरियाली को नुकसान पहुंचाने के लिए आखिर जिम्मेदार कौन है।

अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार खरगोन पहुंचे, शोक संवेदना व्यक्त कर कार्यकर्ताओं से किया संवाद

खरगोन। शनिवार को अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार खरगोन पहुंचे। शहर आगमन पर बावड़ी बस स्टैंड पर महासंघ के जिला अध्यक्ष सुभाष खांडे, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। इसके पश्चात परमार दांगी धर्मशाला पहुंचे, जहां उन्होंने बलराम जी खटिक के यहां पगड़ी रस्म में शामिल होकर शोक संवेदना व्यक्त की। साथ ही पूनमचंद गांगले के बेटे नरेंद्र गांगले के स्वर्गवास पर उनके निवास पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से भेंट की और उन्हें ढांढस बंधाया। बाद में नगर पालिका अध्यक्ष छाया जोशी के निज निवास पर एवं भाजपा नगर अध्यक्ष शीतल राठौड़ के निज निवास पर परमार का स्वागत किया गया। स्वागत के पश्चात परमार भाजपा कार्यालय पहुंचे, जहां पूर्व विधायक बाबूलाल जी महाजन सहित भाजपा पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यकर्ता सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि समाज को एकजुट होकर अपने स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने युवाओं से विशेष आग्रह किया कि राष्ट्रवाद की नींव को कभी न छोड़ें। देश और समाज की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। यही हमारी संस्कृति और सेवा का मूल मंत्र है। आगे कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कार्यक्रम में अखिल भारतीय बलाई महासंघ के जिला अध्यक्ष सुभाष खांडे ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन से जिले में संगठन विस्तार अभियान तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को जोड़कर शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वरोजगार के क्षेत्र में काम करना हमारी प्राथमिकता है। श्री खांडे ने सभी पदाधिकारियों से सोशल मीडिया के माध्यम से समाज की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करने का आग्रह भी किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवी रामेश्वर खांडे, प्रदेश महामंत्री विजय सोनारे, संभाग प्रभारी रवि भालसे, जिला संरक्षक जगन्नाथ सावले, दिनेश सागोरे, भाजपा अ.जा. मोर्चा जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर भालसे, जिला मीडिया प्रभारी जितेंद्र आर्य, जिला सोशल मीडिया प्रभारी राहुल भालसे, जिला महामंत्री विजय सागोरे, तहसील अध्यक्ष मुकेश रोकड़े, खुशियाल अमोदे, सोनू ढाले, श्री महेंद्र खांडे, देवीसिंह धाँनसे, अशोक खांडे, राहुल कांदोडे, मनीष खांडे, रवि खांडेकर, दीपक सिटोले, सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

संपादकीय

डंगा-डोली कर जंतर मंतर से वांगचुक को ले गई दिल्ली पुलिस

आज से संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा है। 20 तारीख को कॉकरोच पार्टी ने जंतर मंतर से संसद तक मार्च करने का ऐलान किया था। सोनम वांगचुक के अनशन को 18 दिन हो चुके थे। उनका वजन करीब 9 किलो घट गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने उनके स्वास्थ्य की जांच करने के लिए दिल्ली पुलिस और सरकार को निर्देश दिया था। शनिवार की सुबह 6 बजे दिल्ली पुलिस के अधिकारी डॉक्टर की वेशभूषा में जंतर मंतर पहुंचे। सफेद चादर का परदा लगाया और 5 मिनट के अंदर ही उनकी डंगा डोली करते हुए उन्हें एंबुलेंस में डाल दिया और वहां से अस्पताल रवाना हो गए। पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर देश में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। सोनम वांगचुक के समर्थन में जिस तरह से विपक्षी दलों के नेताओं, फिल्मी अभिनेताओं, शिक्षाविद और छात्रों का जन समर्थन बढ़ रहा था इसने सरकार की चिंता बढ़ा दी। छात्रों द्वारा यदि 20 जुलाई को संसद की तरफ मार्च किया, ऐसी स्थिति में राजधानी दिल्ली की शांति तथा कानून व्यवस्था बनाए रख पाना दिल्ली पुलिस के लिए सबसे बड़ी समस्या बन सकती थी। इसको ध्यान में रखते हुए पुलिस ने सोनम बांगचुक को जंतर मंतर से हटाकर एक तरह से आंदोलन खत्म हो जाए यह प्रयास किया था। **लेकिन यह दांव सरकार और दिल्ली पुलिस को भारी पड़ता हुआ दिख रहा है।**

सरकार और प्रशासन द्वारा अभी तक आंदोलनकारियों से कोई बात नहीं की गई। सोनम वांगचुक एक सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद, पर्यावरणविद् के रूप में पहचाने जाते हैं। वह पेपर लीक होने वाले मामले तथा 20 छात्रों के आत्महत्या कर लेने से उद्देलित थे। उन्हें लग रहा था कि कॉकरोच जनता पार्टी के इस आंदोलन में उनके शामिल होने और आमरण अनशन करने से सरकार गंभीर होगी। जल्द आंदोलनकारियों से बात करेगी। छात्रों की समस्या का समाधान होगा। भविष्य में पेपर लीक नहीं होंगे। लेकिन उनकी यह सोच गलत साबित हुई। उनके आमरण अनशन में जाने के बाद भी सरकार ने इस आंदोलन को और उनके आमरण अनशन को गंभीरता से नहीं लिया। जब अनशन के चलते सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ने लगी तो विपक्ष के राजनीतिक दल के नेताओं, फिल्मी हस्तियों तथा विशिष्ट नागरिकों ने जंतर मंतर जाकर उन्हें अनशन समाप्त करने की गुहार लगानी शुरू कर दी। इसके साथ ही जो आंदोलन शांत पड़ा था वह गति पकड़ गया। जिसने सरकार की चिंता को बढ़ा दिया। युवाओं की भीड़ को नियंत्रित कर पाना आसानी से संभव नहीं होता है। इस बात को अब सरकार समझ रही है। सरकार की कोशिश है किसी भी तरह से छात्र संसद की ओर मार्च ना करें। जंतर मंतर से अपना आंदोलन समाप्त कर दें। लेकिन यह कैसे संभव होगा जब सरकार उनसे बात करने के लिए ही तैयार नहीं है, उल्टे जिस तरह की कार्रवाई दिल्ली पुलिस के माध्यम से कराई गई है, उसने युवाओं की नाराजी को बढ़ा दिया है।

इस मामले ने विपक्ष को एक मौका दे दिया है कि वह संसद में इन युवाओं की मांग को लेकर आक्रामक रुख अपनाए। सोनम वांगचुक भी अस्पताल में जाने के बाद वहां पर भी अनशन कर रहे हैं। उनकी पत्नी और उन्होंने कह दिया है कि उनकी मर्जी के बिना उनका ना तो इलाज किया जाए ना ही अनशन तुड़वाया जाए, जिसके कारण दिल्ली पुलिस और सरकार की मुसीबत अब बढ़ती चली जा रही है। आज सोमवार से मानसून सत्र शुरू हो रहा है, राहुल गांधी और कांग्रेस भी इस मामले को जोर-शोर से सड़कों पर उठा रही है। यह मामला धीरे-धीरे उलझता ही जा रहा है। इसकी परिणीति किस रूप में होगी इसको लेकर सभी ओर संशय बरकरार है। भीड़- तंत्र को खासतौर पर युवाओं के विरोध को नियंत्रित कर पाना सबसे कठिन काम होता है। युवाओं की इस भीड़ में ऊर्जा तो बहुत होती है लेकिन समझ नहीं होती है। ऐसी स्थिति में दिल्ली पुलिस और सरकार के पास मात्र एक विकल्प रह गया है, वह आंदोलनकारियों के नेताओं से बात करें। उनकी समस्याओं का समाधान करें। यदि ऐसा नहीं हुआ तो यह आंदोलन सरकार के साथ-साथ सभी के लिए दुखदाई साबित हो सकता है। इस बात का सरकार को ध्यान रखना होगा।

हिन्दुओं की किस्में - बकौल आरएसएस मुखिया

यहां एक ध्यान देने योग्य दिलचस्प बात यह है कि 8वीं शताब्दी तक तथाकथित हिन्दू ग्रंथों में 'हिन्दू' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया था। यह शब्द पश्चिम एशियाई मुसलमानों के यहां आगमन के साथ अस्तित्व में आया। वे सिन्धु नदी के इस पार रहने वालों को हिन्दू कहते थे।

लेखक- राम पुनियानी

आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत हिन्दू राष्ट्र के विचार को सही ठहराने के लिए तरह-तरह की वैचारिक कलाबाजियां खाते रहते हैं। वे कई बार कह चुके हैं कि भारत में रहने वाले सभी लोग हिन्दू हैं, हमारे पूर्वज एक ही थे आदि। मगर समस्या यह है कि पुराने आरएसएस विचारक यह नजरिया पेश करते रहे हैं कि इस्लाम और ईसाईयत विदेशी धर्म हैं। हिन्दू राष्ट्रवाद की विचारधारा के जनक वी. डी. सावरकर ने हिन्दू को परिभाषित करते हुए कहा था कि हिन्दू वह है जो सिन्धु से लेकर समुद्र तक की भूमि को पवित्र और अपनी पितृभूमि मानता है। द्वितीय सरसंघचालक एम. एस. गोलवलकर का कहना था कि हिन्दू राष्ट्र के निर्माण हेतु हम जर्मनी के मॉडल का अनुसरण करेंगे जहां बहुत बड़ी संख्या में यहूदियों को यातनाएं दी गईं और फिर उन्हें गैस चैम्बरों में भेजकर जर्मन राष्ट्र का निर्माण किया गया। हाल में इसी वक्तव्य के अधिक चिकने-चुपड़े संस्करण भागवत ने सामने रखें हैं।

आरएसएस यह भी कहता रहा है कि हिन्दू दरअसल एक धर्म नहीं वरन् एक जीवनशैली है। यह कथन समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से गलत है, जिसके अनुसार आराध्य, कर्मकांड, पवित्र ग्रंथ, पुरोहित वर्ग आदि धर्म के तत्व माने जाते हैं। हाल में उन्होंने हिन्दुओं का अनोखा वर्गीकरण किया जिसका उद्धेश्य मुसलमानों और ईसाईयों में व्याप्त हाशियेपन के एहसास को कम करना था। हिन्दू धर्म की बहुत ही अजीब परिभाषा देते हुए उन्होंने कहा ''अगर आप भारतीय हैं तो यह प्रकृति (हिन्दू) आप में अंतर्निहित है''। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुसलमान और ईसाई हिंदू राष्ट्र के अविभाज्य अंग हैं। इसके बाद उन्होंने देश के हिंदुओं का चार मुख्य समूहों में वर्गीकरण किया। उन्होंने कहा कि पहले समूह में वे लोग शामिल हैं जो अपनी हिन्दू पहचान को गर्व से घोषित करते हैं। दूसरे समूह में वे लोग हैं जो अपने को हिन्दू मानते हैं लेकिन इसमें उन्हें किसी विशिष्टता का एहसास नहीं होता। भागवत के अनुसार तीसरा समूह उन लोगों का है जो केवल निजी चर्चा में अपनी हिन्दू पहचान का जिक्र करते हैं। चौथे समूह में वे लोग शामिल हैं जो या तो अपनी हिन्दू पहचान को भूल चुके है या जिसे उन्हें विस्मृत करा दिया गया है''।

उनके अनुसार स्वाभिमानी हिन्दू कौन हैं? वे जिन्होंने बाबरी मस्जिद को ढहाया? वे जो मस्जिदों के सामने नाचते हैं और गालियों भरे नारे लगाते हैं? वे जो कावंड़ियों के भेष में सड़कों पर हंगामा करते हैं? हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया लेकिन हमें इसका अनुमान लगाना होगा। बाबासाहेब अम्बेडकर एक हिन्दू परिवार में पैदा हुए थे लेकिन उन्होंने बाद में 'मनुस्मृति' जलाई और घोषणा की कि हालांकि वे हिन्दू पैदा हुए हैं, लेकिन वे एक हिन्दू के रूप में नहीं मरेंगे। आरएसएस प्रमुख उन्हें किस वर्ग में रखेंगे? वे भारतीय संविधान को क्या बताएंगे - एक 'अच्छे' हिन्दू द्वारा निर्मित संहिता, या कुछ और? उनकी संस्था ने तो यह कहते हुए संविधान का विरोध किया था कि यह पश्चिमी मूल्यों पर आधारित है और उसमें कुछ भी भारतीय नहीं है।

वर्तमान में आरएसएस की दुविधा यह है कि मुसलमानों, ईसाईयों, दलितों और आदिवासियों को आरएसएस से जोड़ने के लिए उसे ईसाईयों और मुसलमानों के बारे में सम्मानजनक ढंग से बात करने की कलाबाजी दिखानी होगी। वैसे भी हिन्दू धर्म को पारिभाषित करना निश्चित ही एक कठिन कार्य है। इसकी कई वजहें हैं। पहली यह है कि हिन्दू धर्म एक पैगम्बर-आधारित धर्म नहीं है। उसकी स्थापना करने वाला कोई एक व्यक्ति नहीं है। दूसरी वजह यह है कि दुनिया के इस हिस्से में विकसित हुई कई धार्मिक धाराएं, हिन्दू धर्म में समाहित हुई हैं। तीसरी यह कि हिंदू धर्म के कर्मकांडों में इतनी विविधता है कि उन्हें एक रंग में नहीं रंगा जा सकता। इसमें यह भी जोड़ा जा सकता है कि अलग-अलग कालखंडों में विकसित हुए विचार और परंपराएं आज भी एक साथ इस धर्म का हिस्सा हैं। भगवान सत्यनारायण और संतोशी माता की पूजा होती है और साथ ही सगुण और निर्गुण ईश्वर की अवधारणाएं भी बनी हुई हैं।

हिन्दू धर्म से जुड़ा एक मूलभूत मुद्दा है वर्ण व्यवस्था का धर्म के महत्वपूर्ण पक्षों पर गहरा प्रभाव, सामजिक असमानता को धार्मिक मान्यता और वर्ण व्यवस्था का उसके धर्मग्रंथों और परंपराओं के केन्द्र में होना।

आर्य, जो कई चरणों में भारत आए, पशुपालक और बहुदेववादी थे। शुरूआती काल में वेद लिखे गए, जो उस काल के मूल्यों की एक झलक पेश करने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के बहुत से देवी-देवताओं की बात करतें हैं और बहुदेववाद का अस्तित्व दर्शाते हैं। 'मनु के नियम' समाज के मार्गनिर्देशी सिद्धांत थे। वैदिक काल के बाद ब्राहम्णवाद का दौर आया। इस काल में समाज का कुलीन वर्ग, सामान्य लोगों से एकदम कट गया। इस दौर में जाति प्रथा के जरिए कुलीन वर्गों के विशिष्ट बने रहने का अत्यंत कुशल तंत्र स्थापित हुआ।

जातिप्रथा को बौद्ध धर्म द्वारा चुनौती दिए जाने से ब्राम्हणवाद एक ऐसे दौर में प्रवेश करने को बाध्य हुआ जिसे हिन्दू धर्म कहा जा सकता है। इस दौर में सामाजिक एवं धार्मिक परंपराओं से समाज के अपेक्षाकृत बड़े वर्ग को जोड़ा गया और सार्वजनिक समारोह एवं कर्मकांड स्थापित किए गए ताकि सामान्य लोगों को बौद्ध धर्म की ओर आकर्षित होने से रोका जा सके। यहां एक ध्यान देने योग्य दिलचस्प बात यह है कि 8वीं शताब्दी तक तथाकथित हिन्दू ग्रंथों में 'हिन्दू' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया था। यह शब्द पश्चिम एशियाई मुसलमानों के यहां आगमन के साथ अस्तित्व में आया। वे सिन्धु नदी के इस पार रहने वालों को हिन्दू कहते थे। इस तरह हिन्दू शब्द दरअसल एक भौगोलिक इलाके का नाम था। बाद में इस इलाके में विकसित हुए धर्मों को हिन्दू कहा जाने लगा। जाति प्रथा के शिकार लोगों ने धर्मपरिवर्तन करने का हर संभव प्रयास किया। उन्होंने बौद्ध धर्म, इस्लाम, कुछ हद तक ईसाई धर्म और बाद के दौर में सिक्ख धर्म अपनाया।

हिन्दू धर्म के अंदर भी दो धाराएं एक दूसरे के समानांतर चलीं। ब्राहम्णवाद और श्रमणवाद। श्रमणों ने ब्राम्हणों के नियंत्रण का विरोध किया और जाति प्रथा को खारिज किया। वैसे बोलबाला ब्राम्हणवाद का ही रहा लेकिन हिन्दू धर्म की अन्य धाराएं भी कायम रहीं जिनमें तंत्र, भक्ति, शैव, सिद्धांत आदि शामिल थीं। श्रमणों ने वैदिक मूल्यों और नियमों को नहीं माना। जहां ब्राम्हणवाद ने धार्मिक परंपराओं को जाति के आधार पर वर्गीकृत किया वहीं श्रमणवाद ने जाति भेद को खारिज किया। ब्राम्हणवादी हिन्दू धर्म का बोलबाला इसलिए कायम रहा क्योंकि वह शासकों से जुड़ा हुआ था। समय बीतने के साथ नीची जातियों की हिंदू परंपराओं की उपेक्षा कर ब्राम्हणवाद को ही हिन्दू धर्म की मान्यता दी जाने लगी। यह प्रवृत्ति मगध-मौर्य साम्राज्यों द्वारा बौद्ध एवं जैन धर्मों को कुचलने के साथ प्रारंभ हुई। बाद में अंग्रेजों के आगमन के साथ, जो भारतीय समाज को समझना चाहते थे, ब्राम्हणवादी परंपराओं पर आधारित हिन्दू पहचान सभी गैर-मुस्लिमों और गैर-ईसाईयों पर लाद दी गई। वेद एवं अन्य ब्राम्हणवादी ग्रंथों को हिन्दू ग्रंथों की तरह प्रस्तुत किया गया। इससे हिन्दू धर्म की विविधिता ओझल हो गई और ब्राम्हणवाद को ही हिन्दू धर्म की मान्यता मिल गई। इसलिए आज हिन्दू धर्म को ब्राम्हणवादी कर्मकांडों, ग्रंथों एवं ब्राम्हणों के प्रभुत्व से जोड़ा जाता है।

श्री भागवत को हिंदुओं के उनके वर्गीकरण में जाति प्रथा का भी ध्यान रखना चाहिए था। सवाल यह भी है कि अत्यंत विविधतापूर्ण और व्यापक हिन्दू धर्म में भागवत के हिन्दुओं के चार वर्गों को कहां रखा जाएगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संघ की शताब्दी यात्रा : संघ की जीवंत परम्परा की सूरत सत्य के आईने में

इस विशाल संगठन के विभिन्न विषयों पर विचार तथा इसकी कार्यप्रणाली से आमजन परिचित होना चाहते हैं। जाजू एवं त्रिवेदी की पुस्तक संघ से जुड़ी जिज्ञासाओं का प्रभावी, प्रासंगिक एवं तथ्यपरक विवेचन करती है। एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन होते हुए भी संघ ने भारतीय राजनीति की दिशा को राष्ट्रीयता की ओर कैसे परिवर्तित किया है, यह समझने के लिए भी यह पुस्तक पढ़ना आवश्यक है।

लेखक - ललित गर्ग

सृजन में शोर नहीं होता। साधना के जुबान नहीं होती। किंतु सिद्धि में वह शक्ति होती है कि हजारों पर्वतों को तोड़कर भी उजागर हो उठती है। यह कथन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्षरशः सत्य सिद्ध होता है। संघ अपने स्थापना के सौवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा बोया गया एक छोटा-सा संगठनात्मक बीज आज भारतीय समाज के सबसे व्यापक स्वयंसेवी संगठनों में विकसित हो चुका है। इन सौ वर्षों में संघ ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे-स्वतंत्रता आंदोलन का दौर, देश का विभाजन, प्रतिबंध, आपातकाल, सामाजिक परिवर्तन, वैश्वीकरण, कोरोना महामारी और विकसित भारत की नई आकांक्षाएं। इन सभी चरणों में संघ ने स्वयं को केवल एक संगठन के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, संगठन और राष्ट्रचेतना के माध्यम के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। यही कारण है कि संघ की शताब्दी केवल किसी संगठन की यात्रा का उत्सव नहीं, बल्कि इस सार्थक एवं राष्ट्र-निर्माण की विचार-यात्रा का मूल्यांकन भी है। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में प्रकाशित 'आरएसएस एट 100: एक सदी संकल्प की' अत्यंत महत्त्वपूर्ण पुस्तक बनकर सामने आती है। प्रभात प्रकाशन से प्रकाशित इस कृति के लेखक श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी हैं। लेखक द्वय की इस पुस्तक में संघ के अतीत एवं भविष्य की विवेचना करते हुए भारत एवं नया भारत निर्मित करने में उसकी भूमिका को उजागर किया है और उसके इतिहास में सच्चाई के प्रतिबिम्बों को उभारने पर बल दिया है। संघ के इतिहास को धूमिल किया गया, धुंधलाया गया है, अन्यथा संघ का इतिहास दुनिया के लिये एक प्रेरणा है, अनुकरणीय है। क्योंकि संघ एक ऐसा शांति-अहिंसामय संगठन है, जो हर मोड पर निरंतरता लिये हुए सृजनात्मक बना रहा है। इसी निरंतरता में संघ की पहली शताब्दी का महत्व निहित है और शायद अगली शताब्दी के संकल्पों की दिशा भी।

सम्पूर्ण दुनिया भारत की ओर देख रही है, उसमें विश्व गुरु की पात्रता निरन्तर प्रवहमान रही है, हमने कोरोना महामारी के एक जटिल एवं संघर्षमय दौर में दुनिया के सभी देशों के हित-चिन्तन का भाव रखा, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास मंत्र के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साबित किया कि वसुधैव कुटुम्बकम- दुनिया एक परिवार है, का भारतीय दर्शन ही मानवता का उजला भविष्य है। इसी विचार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगे बढ़ रहा है, वह एक अनोखा और दुनिया का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। यह भारतीय राष्ट्रवाद की सबसे मुखर, सबसे प्रखर आवाज है। देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता उसका मूल उद्देश्य है। जैसे-जैसे संघ का वैचारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक प्रभाव देश और दुनिया में बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हिंदुत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पित इस संगठन के बारे में जानने और समझने की ललक लोगों के बीच बढ़ती जा रही है।

इस विशाल संगठन के विभिन्न विषयों पर विचार तथा इसकी कार्यप्रणाली से आमजन परिचित होना चाहते हैं। जाजू एवं त्रिवेदी की पुस्तक संघ से जुड़ी जिज्ञासाओं का प्रभावी, प्रासंगिक एवं तथ्यपरक विवेचन करती है। एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन होते हुए भी संघ ने भारतीय राजनीति की दिशा को राष्ट्रीयता की ओर कैसे परिवर्तित किया है, यह समझने के लिए भी यह पुस्तक पढ़ना आवश्यक है। भारत का विश्वगुरु के रूप में अभ्युदय एक महत्वपूर्ण प्रश्न रहा जिसकी विवेचना लेखक ने समग्र रूप से प्रस्तुत पुस्तक में की है, जो संघ के शताब्दी वर्ष की आयोजना का मूल केन्द्र है। इस महत्वपूर्ण पुस्तक का लोकार्पण भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में किया। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय तथा अनेक विशिष्ट जनों की उपस्थिति ने इसे केवल पुस्तक-विमोचन तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि संघ की शताब्दी यात्रा पर एक राष्ट्रीय विमर्श का स्वरूप प्रदान किया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने संघ-इतिहास से जुड़ी अनेक नये सन्दर्भो एवं बातों को विवेचित करते हुए कहा कि किस तरह से संघ पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है, किंतु उसके बारे में आज भी अनेक भ्रांतियां और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक उन भ्रमों को दूर करने और संघ के वास्तविक स्वरूप को समझने का सशक्त माध्यम बनेगी। यह टिप्पणी इस पुस्तक की मूल आत्मा भी है, क्योंकि इसका उद्देश्य केवल संघ का गुणगान करना नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक यात्रा, संगठनात्मक विकास, राष्ट्र निर्माण में भूमिका तथा भविष्य की दिशा को तथ्यपरक ढंग से सामने रखना है। इस पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह संघ को केवल अतीत के संदर्भ में नहीं देखती, बल्कि विकसित भारत-2047, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता, सेवा, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भारत की उभरती भूमिका के साथ जोड़कर उसका विश्लेषण करती है। इसलिए यह केवल संघ के इतिहास का दस्तावेज नहीं, बल्कि नए भारत के वैचारिक विमर्श का भी एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ है।

पुस्तक का स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा अध्याय विशेष रूप से उल्लेखनीय है। लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि संघ का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था। पुस्तक इस धारणा का ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर प्रतिवाद करती है। इसमें डॉ. हेडगेवार की स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका, उनके कारावास, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा क्रांतिकारियों को सहयोग तथा विभाजन के समय राहत और सुरक्षा कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। पुस्तक का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें संघ को राजनीति से जोड़कर देखने की सीमित दृष्टि का विस्तार किया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि संघ स्वयं राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले व्यक्तियों का निर्माण करने वाला संगठन है। शिक्षा, ग्राम विकास, पर्यावरण, सेवा, संस्कृति, श्रमिक संगठन, छात्र आंदोलन, महिला सशक्तीकरण, अनुसूचित वर्गों के उत्थान तथा आपदा राहत जैसे अनेक क्षेत्रों में संघ प्रेरित संगठनों की भूमिका का विस्तृत परिचय दिया गया है। विशेष रूप से सेवा कार्यों का विवरण इस पुस्तक की आत्मा है। कोरोना महामारी, प्राकृतिक आपदाओं, सीमावर्ती क्षेत्रों, वनवासी समाज तथा अभावग्रस्त वर्गों के बीच संघ और उसके स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों को तथ्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ का सेवा कार्य केवल संकट के समय तक सीमित नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक साधना है।

पुस्तक में संघ से जुड़े अनेक मिथकों और विवादों पर भी खुलकर चर्चा की गई है। हिंदू राष्ट्र की अवधारणा, जाति व्यवस्था, आरक्षण, महिलाओं की भूमिका, अल्पसंख्यकों के प्रति दृष्टिकोण तथा लोकतंत्र के प्रति संघ की प्रतिबद्धता जैसे विषयों को विस्तार से समझाया गया है। विशेष रूप से राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से महिलाओं की सहभागिता का विवरण उन धारणाओं को चुनौती देता है कि संघ में महिलाओं के लिए कोई स्थान नहीं है। पुस्तक का एक आकर्षक अध्याय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को संघ की वैचारिक दृष्टि से देखता है।

वैचारिक दृष्टि से देखें तो पुस्तक बार-बार इस तथ्य को रेखांकित करती है कि संघ का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि चरित्रवान नागरिकों का निर्माण है। संघ के अनुसार राष्ट्र निर्माण का आधार व्यक्ति निर्माण है। शाखा इसी उद्देश्य की प्रयोगशाला है, जहां अनुशासन, सेवा, नेतृत्व और सामाजिक समरसता का अभ्यास कराया जाता है। यही कारण है कि पुस्तक बार-बार यह स्थापित करती है कि स्वयंसेवक ही संघ का वास्तविक परिचय है। निस्संदेह किसी भी वैचारिक पुस्तक की तरह इस पुस्तक को भी विभिन्न दृष्टिकोणों से पढ़ा जा सकता है। आलोचक इसके कुछ निष्कर्षों पर असहमति व्यक्त कर सकते हैं, जबकि समर्थकों को इसमें अपने विचारों का प्रामाणिक आधार मिलेगा।

बॉलीवुड की गॉसिप से हमेशा अपडेट रहते हैं निक जोनास

हाल ही में ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनास ने अपनी शादीशुदा जिंदगी से जुड़ा एक ऐसा राज खोला, जिसे सुनकर प्रियंका भी अपनी हंसी नहीं रोक पाईं। सिंगर-एक्टर निक ने बॉलीवुड से जुड़े अपने एक खास शौक का भी खुलासा किया, जबकि प्रियंका ने उनकी इस आदत को लेकर ऐसी बात कह दी, जिसने फैंस की एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया। निक जोनास ने बताया है कि ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा से शादी के बाद उन्हें जो चीज सबसे ज्यादा पसंद है, वह है बॉलीवुड की चटपटी गॉसिप से हमेशा अपडेट रहना। जोनास ब्रदर्स की नई पॉडकास्ट सीरीज 'हे जोनास!' के एक एपिसोड में, जिसमें निक, प्रियंका चोपड़ा, केविन जोनास और जो जोनास सभी शामिल थे, निक ने मजाक में कहा कि उनकी लगभग आठ साल की शादी का सबसे बड़ा फायदा यह रहा है कि उन्हें बॉलीवुड की ताजा खबरों और गॉसिप के बारे में पता चलता रहता है। उन्होंने बड़े ही मजाकिया अंदाज में कहा, इन आठ सालों में मुझे जो चीज सबसे ज्यादा पसंद आई, वह है बॉलीवुड की गॉसिप जो मुझे सुनने को मिली।

निक की इस बात पर प्रियंका ने अपने पति की टांग खींचते हुए कहा, हमारी पूरी शादी में तुम्हें यही सबसे ज्यादा पसंद आया? उनका पूरा फीड गॉसिप से भरा रहता है। उन्होंने आगे यह भी बताया कि निक को अक्सर बॉलीवुड में होने वाले ब्रेकअप्स के बारे में उनसे पहले ही खबर हो जाती है। प्रियंका ने इस बात को मजाकिया अंदाज में साझा करते हुए कहा, मुझे पता नहीं चलता कि किसका किसके साथ ब्रेकअप हो गया है और तुम ही मुझे बताते हो। अक्सर ऐसा तब होता है जब मैं किसी को टेक्स्ट कर रही होती हूं और कहती हूं, 'अरे, फलां-फलां को मेरा प्यार देना।' और वह कहते हैं, 'नहीं, उनका ब्रेकअप हो गया है।' और मैं कहती हूं, 'ओह, तो तुम गॉसिप पर नजर रखते हो।' निक ने हंसते हुए यह बात मानी और कहा, 'हां, मैं रखता हूं'। पॉडकास्ट में मौजूद केविन और जो ने उनसे खुलकर पूछा कि वह किसके अपडेट्स और गॉसिप को फॉलो करते हैं, लेकिन निक ने अपने दोस्तों के नाम बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं नाम नहीं बता सकता। वे हमारे दोस्त हैं।

निक जोनास ने यह भी माना कि वह चुपके से कुछ बॉलीवुड गॉसिप पेजों को फॉलो करते हैं। उन्होंने आगे कहा, कुछ ऐसे अकाउंट्स हैं जिन्हें मैं 'घोस्ट फॉलो' करता हूं, जानते हो? वहां कुछ अच्छी गॉसिप मिलती है। ऐसी कई कहानियां होती हैं जिन्हें फॉलो करना पड़ता है। निक और प्रियंका की प्रेम कहानी भी किसी फिल्म से कम नहीं है। दोनों की पहली मुलाकात 2017 में ऑस्कर की आफ्टर-पार्टी में हुई थी और 2018 में उन्होंने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। उसी साल उनकी सगाई हुई और दिसंबर 2018 में जोधपुर के उमैद भवन पैलेस में उन्होंने शादी की, जिसमें ईसाई और हिंदू दोनों रीति-रिवाजों का पालन किया गया। 2022 में, सरोगेसी के जरिए उनकी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनास का जन्म हुआ।

पैपाराजी के हद पार करने पर मौनी रॉय ने दिखाया रौद्र रूप

अभिनेत्री मौनी रॉय फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार उनका रौद्र रूप देखने को मिला। पैपाराजी की हद पार करने वाली हरकतों से बेहद नाराज मौनी रॉय के सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें वह बेहद गुस्से में नजर आ रही हैं। हाल ही में मौनी रॉय और अनुषा दांडेकर एक आउटिंग के बाद अपनी गाड़ी की तरफ लौट रही थीं। लौटते समय फोटोग्राफर्स ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। स्थिति उस वक्त बेकाबू हो गई जब पैप्स उनकी गाड़ी के दरवाजे तक आ गए और जबरदस्ती कैमरे कार के अंदर घुसाने लगे। इस दखलअंदाजी भरी हरकत पर नागिन फेम अभिनेत्री का गुस्सा फूट पड़ा।

वीडियो में वह उंगली से इशारा करते हुए पैप्स को डांट लगाती दिख रही हैं, और स्पष्ट रूप से उन्हें कैमरे बंद करने के लिए कह रही हैं। उनकी नाराजगी के बावजूद जब पैप्स नहीं रुके, तो वह और भी झल्ला पड़ीं और जोर से कहा, बंद करो ये सब। यह घटना सेलेब्रिटीज की निजी जिंदगी में बढ़ती दखलअंदाजी के मुद्दे को एक बार फिर सामने लाई है। आए दिन ऐसी तस्वीरें और वीडियो वायरल होते हैं जहाँ पैपाराजी बिना अनुमति के या अभिनेताओं के मना करने के बावजूद उनकी तस्वीरें लेने की कोशिश करते हैं। एक पब्लिक फिगर होने के बावजूद, हर व्यक्ति की अपनी एक निजी जगह और सम्मान होता है, जिसका उल्लंघन अक्सर हो जाता है। मौनी रॉय का गुस्से में किया गया यह रिएक्शन, कहीं न कहीं, इसी बढ़ती हुई सीमा लांघने की प्रवृत्ति के खिलाफ एक आवाज प्रतीत होता है। वह इस दौरान ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही थीं, और अनुषा दांडेकर भी उनके साथ थीं, जो इस पूरी घटना की साक्षी बनीं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब मौनी रॉय अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने कुछ समय पहले ही आधिकारिक तौर पर घोषणा की थी कि वह अपने पति और बिजनेसमैन सूरज नांबियार से अलग हो रही हैं। दोनों ने अपनी चार साल की शादी को खत्म करने का फैसला लिया है। मौनी और सूरज अक्सर अपने रोमांटिक पलों को लेकर चर्चा में रहते थे। दोनों को कभी वेकेशन पर साथ देखा जाता था तो कभी त्योहार साथ मनाते हुए। दोनों ने कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 27 जनवरी 2022 को गोवा में शादी के बंधन में बंधने का फैसला लिया था। उनकी शादी मलयाली और बंगाली दोनों रीति-रिवाजों से हुई थी।

काजू थाईलैंड में कंसीव हुआ था, इसीलिए वहां के बच्चों जैसा दिखता है : भारती सिंह

हाल ही में मशहूर कॉमेडियन भारती सिंह ने अपने बेटे यशवीर (काजू) को लेकर एक मजेदार किस्सा सुनाया। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में मजाकिया अंदाज में बताया कि उनका बेटा काजू थाईलैंड में कंसीव हुआ था, इसीलिए वह थोड़ा बैंकॉक के बच्चे जैसा दिखता है। इतना सुनते ही आसपास मौजूद सभी लोगों की हंसी छूट गई। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि भारती सिंह और उनके पति, राइटर हर्ष लिम्बाचिया अब दो प्यारे बच्चों के माता-पिता हैं। वे पहले से ही अपने बड़े बेटे गोला उर्फ लक्ष्य के माता-पिता हैं, जिसका जन्म अप्रैल 2022 में हुआ था। पिछले साल दिसंबर में, यह प्यारा कपल दूसरी बार माता-पिता बना, जब उनके छोटे बेटे यशवीर का जन्म हुआ। भारती अक्सर अपने बच्चों और पति हर्ष के साथ वीडियो और व्लॉग साझा करती रहती हैं, जो उनके प्रशंसकों के बीच खूब पसंद किए जाते हैं। उनके वीडियो में परिवार की मस्ती, प्यार और भारती का अनोखा सेंस ऑफ ह्यूमर साफ झलकता है।

कुछ दिन पहले, भारती और हर्ष ने अपने 7 महीने के बच्चे काजू की अन्नप्राशन सेरेमनी मनाई, जो भारतीय परंपरा में बच्चे को पहली बार ठोस आहार (सॉलिड फ़ूड) खिलाने का एक शुभ अवसर होता है। अपने यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए वीडियो में, भारती और हर्ष बच्चे काजू को अपनी गोद में लिए हुए दिखे, जबकि परिवार के सदस्य और मेहमान उसे खीर खिलाकर आशीर्वाद दे रहे थे।

यह पल परिवार के लिए बेहद खास था और फैंस ने भी काजू को पहली बार खाना खाते देख खूब प्यार लुटाया। इस साल 3 जुलाई को, भारती सिंह ने अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ गोवा की एक यादगार ट्रेन यात्रा के साथ अपने जन्मदिन का जश्न मनाया था। भारती सिंह ने इस पूरी ट्रेन जर्नी का एक विस्तृत वीडियो (व्लॉग) शेयर किया था, जिसमें रेलवे स्टेशन से लेकर ट्रेन में चढऩे तक की पूरी यात्रा को दिखाया गया था। इस व्लॉग में उनके पति हर्ष लिम्बाचिया, उनके दोनों बच्चे, भारती की मां, उनकी बहनें और उनकी प्रोफेशनल टीम के अन्य सदस्य शामिल थे। वीडियो में ग्रुप को रेलवे प्लेटफॉर्म पर धैर्य के साथ अपनी ट्रेन का इंतजार करते हुए दिखाया गया, जिसके बाद वे ट्रेन के डिब्बों में अपनी-अपनी जगह पर बैठे और साथ में बड़े आराम से इस ट्रिप को एन्जॉय किया। व्लॉग की खास बातों में से एक परिवार का घर का बना खाना था, जिसे भारती सिंह ने खुशी-खुशी बताया कि वे घर से ही साथ लाए थे। भारती ने एक महत्वपूर्ण बात का भी खुलासा किया कि उन्होंने जान-बूझकर बच्चों को रेलवे के रोमांच और मजे का अनुभव कराने के लिए फ्लाइट के बजाय ट्रेन को चुना था। यह कदम उनके बच्चों के प्रति उनके प्यार और उन्हें नए अनुभव देने की उनकी इच्छा को दर्शाता है।

अजय ने गोलमाल : फन अनलिमिटेड की वर्षगांठ पर साझा किया वीडियो

साल 2006 में आई क्लासिक कॉमेडी फिल्म गोलमालः फन अनलिमिटेड ने अपनी रिलीज के 20 साल बाद भी दर्शकों को हंसाना नहीं छोड़ा है। बॉलीवुड फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी की इस फिल्म ने केवल बॉक्स ऑफिस पर राज ही नहीं किया, बल्कि भारतीय कॉमेडी सिनेमा को एक नई दिशा भी दी। 20वीं वर्षगांठ के खास मौके पर फिल्म अभिनेता अजय देवगन ने सोशल मीडिया पर एक खास एआई वीडियो साझा किया है। अजय देवगन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर इस वीडियो को साझा करते हुए लिखा, गोलमालः फन अनलिमिटेड के शानदार 20 साल पूरे हो गए! सालों पहले शुरू हुआ हंसी और पागलपन का यह जादुई सफर आज भी उसी मस्ती और पूरे जोश के साथ लगातार जारी है। यह पोस्ट फिल्म के प्रशंसकों के लिए एक सुखद यादें लेकर आई, जो आज भी इसके हर सीन और डायलॉग को दिल से याद करते हैं। नीरज वोरा द्वारा लिखी गई यह कहानी चार आवारा और शरारती दोस्तों गोपाल (अजय देवगन), माधव (अरशद वारसी), लकी (तुषार कपूर) और लक्ष्मण (शरमन जोशी) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्हें उनके कॉलेज हॉस्टल से बेदखल कर दिया जाता है। बेघर होने के बाद, ये चारों एक ठिकाना ढूंढते हुए एक अमीर और अंधे बुजुर्ग जोड़े (परेश रावल और सुष्मिता मुखर्जी) के घर में घुस जाते हैं और उनके अमेरिका से लौटे पोते होने का नाटक करने लगते हैं। कहानी में असली ट्विस्ट तब आता है जब चारों दोस्त घर के भीतर छिपे कीमती हीरों को हथियाने की होड़ में लग जाते हैं और तभी उनकी भिड़ंत एक अजीबोगरीब गैंगस्टर बबली से होती है, जिससे हास्यास्पद परिस्थितियाँ और भी जटिल हो जाती हैं।

फिल्म में अजय देवगन की कॉमिक टाइमिंग, अरशद वारसी की हाजिरजवाबी, तुषार कपूर का बिना बोले अपनी हरकतों से हंसाना और शरमन जोशी की मासूमियत ने मिलकर एक ऐसा जादू पैदा किया, जो आज भी बरकरार है। परेश रावल और सुष्मिता मुखर्जी ने भी अपने किरदारों में जान फूंक दी थी, जिससे फिल्म की कॉमेडी और भी निखर कर सामने आई। आज भी सोशल मीडिया पर इस फिल्म के मजेदार सीन्स और डायलॉग मीम्स के रूप में वायरल होते रहते हैं, जो इसकी निरंतर लोकप्रियता का प्रमाण है। यह फिल्म सिर्फ एक कॉमेडी नहीं थी, बल्कि दोस्ती, मूर्खता और अनियोजित कारनामों का एक शानदार मिश्रण थी, जिसने हर उम्र के दर्शकों को खूब गुदगुदाया। गोलमाल ने रोहित शेट्टी को कॉमेडी फिल्मों के एक सफल निर्देशक के रूप में स्थापित किया।

श्रीमुरली के नए अवतार ने बढ़ाई दर्शकों की उत्सुकता

कन्नड फिल्म एक्शन फिल्म 'पराक' का टीजऱ रिलीज हो गया जो सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गया है। फिल्म 'बघीरा' के बाद यह लोकप्रिय अभिनेता श्रीमुरली की अगली बड़ी परियोजना है। भव्य प्रस्तुति, हाई-वोल्टेज एक्शन और अभिनेता के बदले हुए लुक ने फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। यह फिल्म पैन इंडिया स्तर पर रिलीज की जाएगी, जिससे देशभर के दर्शकों तक श्रीमुरली का नया अंदाज पहुंचेगा। श्रीमुरली दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग के उन अभिनेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, अनुशासन और दमदार अभिनय के दम पर अलग पहचान बनाई है। फिल्म 'उग्रम' ने उन्हें कन्नड़ सिनेमा के प्रमुख एक्शन स्टार के रूप में स्थापित किया था। इसके बाद 'मुफ्ती', 'भराटे' और 'बघीरा' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने सराहा। अब 'पराक' में वह एक बार फिर नए अंदाज में बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। टीजऱ में श्रीमुरली बेहद दमदार और रफ लुक में दिखाई दे रहे हैं। उनकी फिटनेस, प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस और हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस टीजऱ की सबसे बड़ी खासियत माने जा रहे हैं। दर्शकों ने सोशल मीडिया पर उनके शारीरिक बदलाव और एक्शन स्टाइल की जमकर तारीफ की है।

फिल्म के दृश्य बड़े पैमाने पर तैयार किए गए हैं, जो इसे एक भव्य सिनेमाई अनुभव का अहसास कराते हैं। फिल्म के निर्देशक हलेश कोगुंडी का कहना है कि बचपन से ही उन्हें एक्शन फिल्मों का गहरा शौक रहा है। उन्होंने बताया कि 'मैड मैक्स' जैसी फिल्मों से प्रेरित होकर उन्होंने फिल्म निर्माण की दिशा चुनी। उनके अनुसार, एक्शन केवल मारधाड़ या दृश्य प्रभाव तक सीमित नहीं होता, बल्कि कहानी और पात्रों की भावनात्मक यात्रा को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि 'पराक' एक पात्र-केंद्रित एक्शन सस्पेंस थ्रिलर है, जिसमें हर एक्शन दृश्य कहानी और किरदारों की भावनाओं से स्वाभाविक रूप से जुड़ा हुआ है। टीजऱ में रोमांचक एक्शन के साथ फिल्म की रहस्यमयी कहानी की झलक भी देखने को मिलती है। शानदार सिनेमैटोग्राफी और प्रभावशाली दृश्य फिल्म के बड़े स्तर को दर्शाते हैं, जबकि चरण राज एमआर का दमदार बैकग्राउंड म्यूजिक टीजऱ को और प्रभावशाली बनाता है। फिल्म का निर्माण ब्रांड स्टूडियोज के बैनर तले अखिलेश कोगुंडी, आशिक मदल और दीपक अश्वथ नारायण ने किया है। सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी संदीप वल्लुरी ने संभाली है, जबकि कहानी हलेश कोगुंडी और टीम ब्रांड स्टूडियोज ने मिलकर तैयार की है। फिल्म के एक्शन दृश्यों का निर्देशन प्रसिद्ध स्टंट निर्देशक डॉ. के. रविवर्मा ने किया है। फिल्म को लेकर उत्साह उस समय और बढ़ गया जब आनंद ऑडियो ने इसके ऑडियो अधिकार हासिल किए। इसे हाल के वर्षों में कन्नड़ सिनेमा के सबसे बड़े ऑडियो सौदों में से एक माना जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

जो रूट बोल खेलते हुए ही सीखना होगा युवा खिलाड़ियों को

कार्डिफ। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रुट का मानना है कि देश के अगली पीढ़ी के युवा क्रिकेटरों को 50 ओवरों के क्रिकेट का अधिक अनुभव नहीं मिलने के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए ही सीखना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि अनुभव की कमी के कारण दबाव के हालात के अनुकूल ढलना बेहद अहम हो जाता है। रुट ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण से पहले घरेलू 50 ओवरों की नियमित प्रतिस्पर्धाओं के जरिये उस तरह का अनुभव नहीं मिल पा रहा है जो पहले खिलाड़ियों को मिलता था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि टीम और युवा खिलाड़ियों के लिये यह सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। उन्होंने आगे कहा, अभी ही नहीं बल्कि आने वाले समय में भी, जो भी खिलाड़ी टीम में आयेगा उसे 50 ओवरों के क्रिकेट में उतना अनुभव या समझ नहीं होगी क्योंकि अब यह प्रारुप उतना खेला नहीं जाता है। यह कमी इंग्लैंड के हालिया प्रदर्शन में भी दिखती है, क्योंकि टीम को भारत के खिलाफ पिछले 20 वनडे में से 14 में पराजय का सामना करना पड़ा है। रुट ने कहा कि भारत जैसी शीर्ष वनडे टीम के खिलाफ जीत अधिक संतोषजनक है।

गांगुली और द्रविड़ के कारण संन्यास पर मजबूर हुए थे मांजरेकर

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर अपने समय के एक बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं पर इसके बाद भी उनका करियर उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। मांजरेकर ने इसके पीछे सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ के छा जाने को बताया है जिसके कारण उन्हें असमय ही संन्यास के लिए मजबूर होना पड़ा है। मांजरेकर जब भारतीय क्रिकेट में आये थे तब उनकी बल्लेबाजी तकनीक देखकर लोगों को उनमें सुनील गावस्कर की छवि नजर आयी। इस क्रिकेटर को क्रिकेट विरासत में मिला था। उनके पिता विजय मांजरेकर जिन्होंने टीम के दिग्गज बल्लेबाज रहे थे। उन्हें पूरा भरोसा था कि उनका बेटा एक दिन न सिर्फ खेलेगा, बल्कि टीम इंडिया की जर्सी भी पहनेगा जो आंखिरकार सच भी हुआ। मांजरेकर जब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेले, उनकी पहचान एक तकनीकी रुप से बेहद सक्षम और ठोस बल्लेबाज के तौर पर रही। विशेष रुप से विदेशी पिचों पर उनका रिकॉर्ड बेहद शानदार और अनुकरणीय था। उनकी इसी लाजवाब बल्लेबाजी तकनीक के कारण साथी खिलाड़ी उन्हें कई बार मिस्टर परफेक्ट कहकर पुकारते थे।

इंग्लैंड दौरे पर निकी प्रसाद ने सीखा बहुत कुछ

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2025 का खिताब दिलाने वाली कप्तान निकी प्रसाद ने इंडिया ए महिला टीम के साथ अपने इंग्लैंड दौरे को सीखने का एक बेहतरीन अनुभव बताया है। हाल ही में इंग्लैंड ए के खिलाफ 2-1 से वनडे सीरीज जीतने वाली टीम का हिस्सा रहीं प्रसाद ने एक खास बातचीत में कहा कि यह उनका पहला इंडिया ए और पहला इंग्लैंड दौरा था। टीम का माहौल शानदार था और उन्हें खुद को अभिव्यक्त करने का भरपूर अवसर मिला, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। एक जीतने वाली टीम का हिस्सा होना उनके लिए बेहद सकारात्मक अनुभव रहा। प्रसाद ने इंग्लैंड की परिस्थितियों को भारत से काफी अलग बताया, जहां के विकेट और विपक्षी टीमें, विशेषकर लंबे तेज गेंदबाजों, चुनौतीपूर्ण थीं। उन्होंने महसूस किया कि अपने बैकफुट खेल में, खासकर बाउंसर गेंदों को पुल और कट करने में, सुधार की आवश्यकता है। शॉर्ट बॉल के साथ संतुलन बनाना उन्होंने जल्द सीखा। कोचों ने उन्हें गेंद की उछाल का सही अनुमान लगाने और ओवरहिट न करने की सलाह दी। गेंदबाजी में भी, उन्हें यह सीखने को मिला कि गेंद को ऊपर पिच करके बल्लेबाजों को ड्राइव करने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि वे स्वीप जैसे शॉट न खेलें। इंडिया ए के अनुभव ने निकी को सीनियर टीम के स्तर को समझने में मदद की। उन्होंने कहा कि बैकफुट से गेंद को पुल करना या कवर्स के ऊपर से मारना जैसे क्षेत्र उन्हें उच्च स्तर पर अधिक रन दिलाने में सहायक होंगे।

भारतीय महिला क्रिकेट में नई जान फूंकने वाली स्मृति मंधाना

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट की लोकप्रियता में लगातार वृद्धि हो रही है, और इसका एक बड़ा श्रेय बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज तथा उपकप्तान स्मृति मंधाना को जाता है। उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से दर्शकों के बीच इस खेल को बेहद लोकप्रिय बनाया है। मैदान पर मंधाना के नारे उनकी सफलता का प्रमाण हैं, और लोकप्रियता के मामले में वह देश के शीर्ष पुरुष क्रिकेटरों को भी टक्कर देती हैं। 18 जुलाई 1996 को मुंबई में जन्मीं मंधाना का क्रिकेट से गहरा पारिवारिक संबंध रहा है; उनके पिता और भाई दोनों क्रिकेटर रहे हैं, जिसने उन्हें इसी राह पर आगे बढने के लिए प्रेरित किया। पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज पसंद थे, इसलिए उन्होंने भी यही शैली अपनाई। कम उम्र से ही मंधाना की प्रतिभा स्पष्ट थी। 9 साल की उम्र में महाराष्ट्र अंडर-15 टीम में जगह बनाने के बाद, 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम में शामिल हो गईं। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर, उन्होंने 5 अप्रैल 2013 को बांग्लादेश के खिलाफ अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की। इसके बाद से, वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के तीनों प्रारूपों में सबसे महत्वपूर्ण खिलाडिय़ों में से एक बनी हुई हैं, और अक्सर टीम की सबसे बड़ी मैच विजेता साबित हुई हैं। उन्होंने 2014 में टेस्ट, 2013 में वनडे और 2013 में टी20 में डेब्यू किया।

अपने 13 साल के करियर में, मंधाना ने प्रभावशाली आंकड़े दर्ज किए हैं। उन्होंने टेस्ट में 788 रन (2 शतक), वनडे में 5,411 रन (14 शतक), और टी20 में 4,538 रन (1 शतक) बनाए हैं। भारतीय महिला क्रिकेट की पोस्टर गर्ल के रूप में पहचानी जाने वाली मंधाना ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी के बाद दो बार आईसीसी विमेंस क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीतने वाली दूसरी क्रिकेटर हैं। वनडे फॉर्मेट में भारत की ओर से सबसे तेज शतक (50 गेंदों पर) लगाने का रिकॉर्ड उनके नाम है, और मिताली राज के बाद वह भारत की दूसरी सबसे सफल वनडे बल्लेबाज हैं। वह तीनों प्रारूपों में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला बल्लेबाज हैं और वनडे में सर्वाधिक शतकों के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। इसके अतिरिक्त, मंधाना एक कैलेंडर वर्ष में 1000 से अधिक रन बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं और एक कैलेंडर वर्ष में वनडे में सर्वाधिक शतक (4) का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। 30 वर्षीय मंधाना के पास अभी भी कम से कम 5-6 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर बाकी है, और उन्हें हरमनप्रीत कौर के बाद भारतीय महिला टीम की कमान संभालने की प्रबल दावेदार माना जा रहा है। महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को दो खिताब दिलाकर उन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता भी साबित की है। अगर उनकी मौजूदा बल्लेबाजी फॉर्म जारी रही, तो वह महिला क्रिकेट में कई और असाधारण उपलब्धियां हासिल करेंगी।

मैक्सवेल सहित इन बल्लेबाजों के नाम है टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक शतक

नई दिल्ली ● एजेंसी

टी20 अंतरराष्ट्रीय, क्रिकेट में अब तक सबसे अधिक शतक लगाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में दो भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव भी शामिल हैं। इस प्रारुप में सबसे अधिक पांच-पांच शतक ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल और भारत के रोहित शर्मा के नाम हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रिया के करनबीर सिंह और इंग्लैड के फिल साल्ट हैं भी इस सूची में शामिल हैं।

ग्लेन मैक्सवेल : ऑस्ट्रेलियई ऑलराउंडर मैक्सवेल ने अब तक 5 बेमिसाल टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाये हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। 130 मैचों की 118 पारियों में उन्होंने 154.42 के शानदार स्ट्राइक रेट से 2897 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 145 रन रहा है, और उन्होंने अपने करियर में 243 चौके और 150 छक्के जड़े हैं, जो उनकी मारक क्षमता को दर्शाता है।

रोहित शर्मा : रोहित ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में 5 शानदार शतक लगाए हैं और इस प्रारूप में सर्वाधिक रन (4231) बनाने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। साल 2007 के पहले टी20 विश्व कप से अपने सफर की शुरुआत करने वाले रोहित ने 159 मैचों की 151 पारियों में 140.89 के स्ट्राइक रेट से ये रन बनाये हैं। उनके नाम 32 अर्धशतक और नाबाद 121 रन का उच्चतम स्कोर भी है। अपनी बेजोड़ टाइमिंग और ताकत से उन्होंने रिकॉर्ड 383 चौके और 205 छक्के जड़े हैं, जो उन्हें टी20ई का सबसे सफल बल्लेबाज बनाता हैं हालांकि अब उन्होंने इस प्रारुप से संन्यास ले लिय है।

करनबीर सिंह : इस विशिष्ट सूची में तीसरा नाम ऑस्ट्रिया के करनबीर सिंह का है। एसोसिएट नेशन की ओर से खेलने वाले करबीर ने सिर्फ 60 मैचों की 59 पारियों में 4 शतक लगाकर सबको हैरान किया है। 48.71 की हैरतअंगेज औसत और 175.41 के तूफानी गया सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। स्ट्राइक रेट से उन्होंने 2533 रन बनाए हैं। करनबीर का सर्वोच्च स्कोर 164 रन है, जो इस सूची में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाया

फिल साल्ट : चौथे स्थान पर इंग्लैंड के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट हैं। साल 2022 में डेब्यू करने के बाद से साल्ट ने है। 64 मैचों की 59 पारियों में उन्होंने 4 शतक और 10 अर्धशतकों के साथ 164.52 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 1846 रन बनाए हैं। साल्ट का सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 141 रन रहा है, और उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से 186 चौके और 87 छक्के लगाए हैं।

सूर्यकुमार यादव : इस इसी में भारत के सूर्यकुमार यादव भी शामिल हैं। साल 2021 में पदार्पण करने के बाद से ही सूर्या ने टी20 क्रिकेट खेलने में अपनी क्षमता दिखायी है। उन्होंने 113 मैचों की 107 पारियों में 4 शतक और 25 अर्धशतकों की मदद से 3272 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 162.94 का रहा है, और उनका सर्वोच्च स्कोर 117 रन है।

आईसीसी ने 2027 वनडे विश्व कप के क्वालीफिकेशन नियमों में किए बड़े बदलाव

नई दिल्ली ● एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 वनडे विश्व कप के क्वालीफिकेशन प्रारूप में बड़े बदलावों की घोषणा की है, जो पहले 2021 में अनुमोदित संरचना को बदल देगा। इन नए नियमों के तहत, क्वालीफायर जीतने वाली टीम को अफ्रीका में होने वाले विश्व कप के मुख्य ग्रुप चरण में सीधे एंट्री मिलेगी, और आईसीसी के बदले हुए मॉडल के तहत उसे शुरुआती सुपर सीरीज राउंड से नहीं गुजरना पड़ेगा। बदले हुए प्रारूप में मुख्य टूर्नामेंट की टीमें 14 से घटाकर 12 कर दी गई हैं, जिसमें दो ग्रुप होंगे और उसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल से पहले सुपर सेवन स्टेज होगा, जबकि पहले दो-ग्रुप और सुपर सिक्स फॉर्मेट था। इस बड़े बदलाव से विश्व कप क्वालीफायर से शीर्ष चार टीमों के लिए क्वालिफिकेशन का रास्ता भी बदल गया है।

नए मॉडल के तहत, सितंबर 2026 के आखिर में एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष आठ टीमें, सह-मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के साथ, विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई कर लेंगी। हालांकि, तीसरे सह-मेजबान नामीबिया को स्वचालित क्वालिफिकेशन नहीं मिलेगा और उसे क्वालिफाइंग पाथवे से अपनी जगह बनानी होगी। क्वालीफायर जीतने वाली टीम को विश्व कप के मुख्य चरण में 11वीं सीधी एंट्री मिलेगी। दूसरे, तीसरे और चौथे नंबर पर रहने वाली टीमों को दो मैचों की सुपर सीरीज खेलनी होगी, जिसमें केवल जीतने वाली टीम ही आगे बढ़ेगी, जबकि बाकी टीमें सिर्फ दो मैच खेलकर बाहर हो जाएंगी।

2027 के एकदिवसीय विश्व कप में पहली बार होने वाले सुपर सेवन स्टेज में, छह-छह टीमों के दो ग्रुप में से प्रत्येक से शीर्ष तीन टीमें होंगी, साथ ही दोनों ग्रुप में अगली सबसे अच्छी रैंक वाली टीम भी शामिल होगी। यह सात टीमें एक ही राउंड-रॉबिन में खेलेंगी, जिसमें कुल 21 मैच होंगे, और शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। नॉकआउट स्टेज में पहले नंबर पर रहने वाली टीम का मुकाबला चौथे नंबर पर रहने वाली टीम से होगा और दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम का मुकाबला तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम से होगा, जिसमें जीतने वाली टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। 2027 एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगीः एकदिवसीय रैंकिंग में सबसे कम रैंक वाले दो पूर्ण सदस्य (दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे को छोडक़र, जो रैंकिंग की परवाह किए बिना मेजबान के तौर पर स्वचालित क्वालिफायर हो जाती हैं), क्रिकेट विश्व कप लीग 2 की शीर्ष चार टीमें, और विश्व कप क्वालीफायर प्लेऑफ से आगे बढऩे वाली चार टीमें। क्वालीफायर प्लेऑफ में आठ टीमें हिस्सा लेंगी - लीग 2 की सबसे नीचे की चार टीमें और चैलेंज लीग की शीर्ष चार टीमें। हालांकि टूर्नामेंट का प्रारूप अभी तक पूरी तरह से पुष्टि नहीं हुआ है, लेकिन शीर्ष चार टीमें एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर में आगे बढ़ेंगी। चैलेंज लीग क्वालिफिकेशन पाथवे का तीसरा टियर है और इसमें 12 टीमें हैं जिन्हें छह-छह के दो ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप साइकिल के दौरान तीन राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट खेलेगा, जिसमें हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें विश्व कप क्वालीफायर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करेंगी।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप अगले माह, भारतीय दल की अगुवाई करेंगी सिंधु

नई दिल्ली ● एजेंसी

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी। इसमें 10 सदस्यीय भारतीय बैडमिंटन टीम की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु करेगी। बीडब्ल्यूएफ ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफिकेशन सूची जारी कर दी है, जिसमें भारत के कुल 10 खिलाडिय़ों को पांच स्पर्धाओं में उतरने का अवसर मिला है। इन खिलाडिय़ों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी भी शामिल है।

सिंधु को बीडब्ल्यूएफ के नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में जगह मिली है। यह क्वालिफिकेशन सूची 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित है, जिसमें पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और प्रत्येक युगल स्पर्धा में 48-48 जोडिय़ां शामिल हैं। नियमानुसार, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रत्येक वर्ग में भारत के दो खिलाडिय़ों को सीधे प्रवेश मिला है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी करेंगे, जिन्होंने अपनी रैंकिंग के बल पर प्रवेश हासिल किय है। वहीं, महिला एकल में सिंधु के साथ उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी जगह मिली है। पुरुष यगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को भी शामिल किया गया है। पुरुष युगल की बात करें तो हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन को अवसर मिला है।

दूसरी ओर महिला युगल में 30वें स्थान पर कायम ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भारत की ओर से चुनौती पेश करेगी, जबकि कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी ने दूसरी भारतीय जोड़ी के रूप में प्रवेश हासिल किया है। मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान के साथ अपनी जगह बनाई है, और उनके साथ रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे देश के लिए दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी के तौर पर खेलेंगे। इनके अलावा रिजर्व सूची में पुरुष एकल में विश्व चैंपियनशिप किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, तथा महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर हैं।बीडब्ल्यूएफ ने यह भी कहा है कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन खिलाडिय़ों ने चैंपियनशिप में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है।

बॉटम

छेत्री और भूटिया ने आधुनिक भारतीय फुटबॉल को नई पहचान दी

भारतीय फुटबॉल में रहे हैं पीके बनर्जी, चुन्नी गोस्वामी जैसे सितारे

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारतीय फुटबॉल की बात करें तो केवल दो खिलाड़ी ही लोकप्रियता हासिल करते हुए देश भर में अपनी पहचान बना पाये हैं। इनमें एक है सुनील छेत्री और दूसरे हैं बाईचुंग भूटिया। छेत्री और भूटिया ने आधुनिक भारतीय फुटबॉल को नई पहचान दी है। छेत्री ने अपने करियर में 95 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गोल किए हैं और उन्हें भारतीय फुटबॉल का चेहरा माना जाता है, जबकि भूटिया ने 1990 के दशक में देश में फुटबॉल की लोकप्रियता बढ़ाई हालांकि भारतीय फुटबॉल इतिहास में कई अन्य दिग्गज खिलाड़ी भी रहे हैं। इसमें से एक को तो स्वयं विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने 20वीं सदी का भारत का सबसे महान फुटबॉलर घोषित किया था। इस फुटबॉलर का नाम है। प्रदीप कुमार बनर्जी जो पी के बनर्जी के नाम से जाने जाते हैं। पी के बनर्जी की बदौलत ही भारतीय टीम ने 1962 के एशियाई खेलों में फुटबॉल का स्वर्ण पदक जीता था।

पी के बनर्जी : पी के ने 1950 और 1960 के दशक में भारतीय टीम को एशिया में शीर्ष पर पहुँचाया। उन्होंने भारत के लिए 45 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 14 गोल किए। उनकी कप्तानी में भारत ने 1962 के जकार्ता में आयोजित एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। यह वह दौर था जब भारत ने

फीफा विश्व कप के लिए पहली और आखिरी बार क्वालीफाई किया था, हालाँकि टीम खेलने ब्राजील नहीं गई।

खेल से संन्यास लेने के बाद, बनर्जी ने एक कोच के तौर पर भी अपनी अमिट छाप छोड़ी। 1970 के एशियाई खेलों में जब भारत ने कांस्य पदक जीता था, तब वे ही टीम के कोच थे। वे 1986 तक भारतीय टीम के साथ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से जुड़े रहे और ईस्ट बंगाल तथा मोहन बागान जैसे क्लबों को कई खिताब दिलाए। उनके मार्गदर्शन में ही मोहन बागान ने महान पेले की न्यूयॉर्क कॉसमॉस के खिलाफ 2-2 से बराबरी की थी। उनके अतुलनीय योगदान को देखते हुए फीफा ने 2004 में उन्हें ऑर्डर ऑफ मेरिट से सम्मानित किया, जो फुटबॉल जगत के सर्वोच्च सम्मानों में से एक है, साथ ही उन्हें 20वीं सदी का सर्वश्रेष्ठ भारतीय फुटबॉलर भी बताया।

चुन्नी गोस्वामी : चुन्नी भी एक दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं। वह साल 1962 के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के कप्तान थे

आईएम विजयन : वहीं एक अन्य खिलाड़ी आईएम विजयन को उनकी रफ्तार के लिए ब्लैक बक कहा जाता था और उन्होंने 1990 के दशक में भूटिया के साथ मिलकर कई यादगार जीत दिलाईं।

सैलेन मन्ना, जिन्होंने 1951 के एशियाई खेलों में भारत को स्वर्ण जिताया था, दुनिया के शीर्ष डिफेंडरों में गिने जाते थे और 1953 में इंग्लैंड की फुटबॉल एसोसिएशन ने उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में शामिल किया था।

न्यूज ब्रीफ

निर्वस्त्र होकर मंदिर पहुंची, मूर्ति लेकर तालाब में कूदी महिला इंजीनियर

हैदराबाद। पीरजादीगुड़ा के एक तालाब में मिले सॉफ्टवेयर इंजीनियर तेजस्विनी के शव मामले में पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, एक मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में तेजस्विनी को मंदिर परिसर में जाते हुए देखा गया है। जांच में सामने आया है कि वह मंदिर से एक मूर्ति लेकर तालाब की ओर गई थी। पुलिस अब इस पूरे घटनाक्रम के पीछे की वजहों का पता लगाने में जुटी है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, तेजस्विनी कपड़े उतारकर मंदिर पहुंची और वहां से अण्मावारु की मूर्ति उठाई। इसके बाद वह मूर्ति लेकर तालाब की ओर चली गई। पुलिस का कहना है कि तालाब में उसके कूदने का कोई प्रत्यक्ष सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है। फिलहाल तालाब में मूर्ति की तलाश की जा रही है। पुलिस का मानना है कि मूर्ति मिलने से जांच को महत्वपूर्ण दिशा मिल सकती है। जांच के दौरान तेजस्विनी के निजी जीवन से जुड़ी कुछ जानकारियां भी सामने आई हैं। पुलिस के अनुसार, वह जिस फ्लैट में किराए पर रह रही थी, उसका किराया काफी अधिक था। वह रोजाना करीब 3500 रुपये का भुगतान करती थी, जो महीने में एक लाख रुपये से अधिक बैठता है।

राहुल-खरगे ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी कहा- चुप्पी से काम नहीं चलेगा

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र से पहले राम मंदिर चंदे को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त पत्र लिखकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर सवाल उठाए हैं। दोनों नेताओं ने मामले में प्रधानमंत्री की चुप्पी को लेकर भी आपत्ति जताई और जवाबदेही तय करने की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने अपने पत्र में कहा कि राम मंदिर के लिए देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया है। ऐसे में यदि चंदे या ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन को लेकर कोई आरोप सामने आते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच जरुरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे गंभीर मामलों में सरकार की ओर से स्पष्ट जवाब आना चाहिए और जनता को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिलनी चाहिए। राहुल गांधी और खरगे ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

पूर्व पीएम देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का निधन, पैत्रक गांव में होगा अंतिम संस्कार

बेंगलुरु। पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का बेंगलुरु में निधन हो गया। कर्नाटक सरकार ने चेन्नम्मा के अंतिम संस्कार के समय उन्हें राजकीय सम्मान देने का फ़ैसला किया। बता दें चेन्नम्मा का पिछले कुछ दिनों से सांस में गंभीर दिक्कतों के चलते अस्पताल में इलाज चल रहा था। हार्ट अटैक के बाद शनिवार शाम करीब 4 बजे चेन्नम्मा का निधन हो गया। देवेगौड़ा, उनके बेटे और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और परिवार के अन्य सदस्य अस्पताल में मौजूद थे। पार्थिव शरीर को शनिवार रात बेंगलुरु के पद्मनाभनगर स्थित उनके आवास ले जाया गया और रविवार दोपहर तक वहीं रखा गया। अंतिम संस्कार सोमवार को हासन जिले में स्थित उनके पैतृक गांव में किया जाएगा। बता दें चेन्नम्मा का विवाह 1954 में एच डी देवेगौड़ा से हुआ था। दंपति के चार बेटे और दो बेटियां हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी और विधायक एच डी रेवन्ना शामिल हैं। रेवन्ना हासन जिले की होलानरसिपुर विधानसभा सीट से विधायक हैं। प्रमुख सियासी परिवार से होने के बावजूद चेन्नम्मा ज्यादातर सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रहीं। फरवरी 2001 में हुए तेजाब हमले से बच गई थीं। बताया गया था कि यह हमला पारिवारिक विवाद से जुड़ा था। पीएम नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार समेत कई नेताओं ने चेन्नम्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

अवैध पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट में 9 लोगों की दर्दनाक मौत, अवैध इकाइयों पर चला बुलडोजर जैसा अभियान

रामोल हादसे के बाद बड़ा एक्शन : पटाखा फैक्ट्री मालिक, उसकी मां और पार्टनर गिरफ्तार

अहमदाबाद ● एजेंसी

शहर के रामोल क्षेत्र स्थित एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट और आग की भयावह घटना में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आसपास की इमारतों के कांच टूट गए और पास की कंपनियों में लगे सीसीटीवी कैमरों के शीशे भी चकनाचूर हो गए। घटना के सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद हादसे की भयावहता स्पष्ट हो गई है। हादसे के बाद अहमदाबाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री के मालिक मेहुल डोडिया, उसकी मां तथा साझेदार सादिक सैयद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि तीनों आरोपी विस्फोट के समय फैक्ट्री में मौजूद थे और उन्हें भी चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि इस फैक्ट्री का लाइसेंस समाप्त हो चुका था और मार्च महीने में इसे बंद कराया गया था, लेकिन इसके बावजूद यहां अवैध रूप से पटाखों का निर्माण जारी था। लाइसेंस नवीनीकरण नहीं कराने वाले 12 अन्य इकाइयों को भी पहले बंद कराया गया था। रामोल स्थित फैक्ट्री में हुए विस्फोट के समय के दृश्य पास की एक कंपनी के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। वीडियो में धमाके की तीव्रता इतनी अधिक दिखाई दे रही है कि आसपास की इमारतों के शीशे टूट जाते हैं और कैमरों को भी भारी नुकसान पहुंचता है। दुर्घटना के बाद अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी), पुलिस और फायर विभाग की संयुक्त टीम ने रामोल और वस्त्राल क्षेत्रों में अवैध रूप से संचालित दो अन्य पटाखा इकाइयों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। इन स्थानों से भारी मात्रा में पटाखों का जखीरा जब्त किया गया, जिसे पानी डालकर नष्ट किया गया। इसके अलावा नारोल सहित शहर के अन्य इलाकों में भी अवैध पटाखा इकाइयों के खिलाफ व्यापक जांच अभियान चलाया जा रहा है। हादसे के बाद एल.जी. अस्पताल और सिविल अस्पताल में मृतकों के परिजनों का जमावड़ा लगा रहा। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी शव परिजनों को सौंप दिए गए। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्यों सहित कुल नौ लोगों की जान चली गई। मृतकों में रिंकू भरतभाई चारेल (16), रविना भरतभाई चारेल (14), शिवानी भरतभाई चारेल (14), रमिला भरतभाई चारेल (37), वीरल उर्फ नीरव भरतभाई चारेल (6), सविता सुरेशभाई डामोर (38), उषा गोविंदभाई डामोर (45), मोहम्मद अशरार इरफान अली सैयद (20) और अजरुद्दीन रुकनुद्दीन काजी (25) शामिल हैं। इस घटना ने एक बार फिर अवैध पटाखा फैक्ट्रियों की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वांगचुक को निजी अस्पताल में शिफ्ट करने से हाईकोर्ट का इनकार

तीन दिन में मांगी स्टेटस रिपोर्ट, फिलहाल सफदरजंग अस्पताल में ही रहना होगा

नई दिल्ली ● एजेंसी

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की मांग पर दिल्ली हाईकोर्ट ने फिलहाल राहत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि उनकी बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए सरकार द्वारा अस्पताल में भर्ती कराने का निर्णय उचित था। साथ ही निर्देश दिया कि इलाज से जुड़े सभी निर्णय चिकित्सकों की मेडिकल राय और सोनम वांगचुक की सहमति के आधार पर लिए जाएंगे। मामले की सुनवाई के दौरान वांगचुक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि उन्हें अपनी पसंद के निजी अस्पताल में उपचार कराने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि वांगचुक को अपने डॉक्टरों और वकीलों तक पर्याप्त पहुंच नहीं मिल रही है तथा निजी अस्पताल उन्हें ले जाने के लिए एंबुलेंस उपलब्ध कराने को तैयार है। उन्होंने अदालत से निजी अस्पताल में स्थानांतरण की अनुमति देने का आग्रह किया। केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट के पूर्व आदेशों के अनुरूप ही सभी चिकित्सा संबंधी निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब वांगचुक के शरीर में पोटैशियम का स्तर 2.9 से नीचे पहुंच गया और उनकी स्थिति गंभीर होने लगी, तब विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। सरकार ने यह भी बताया कि उनकी पत्नी, भाई और साले को चौबीसों घंटे मिलने की अनुमति दी गई है तथा उनके ठहरने के लिए अलग कमरा भी उपलब्ध कराया गया है। सरकार ने अदालत में यह भी कहा कि उपचार के दौरान निजी प्रयोगशालाओं की रिपोर्ट के बजाय अस्पताल की आधिकारिक जांच रिपोर्ट पर ही भरोसा किया जाएगा, क्योंकि चिकित्सा प्रोटोकॉल के तहत वही मान्य होती है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने फिलहाल वांगचुक को निजी अस्पताल भेजने की अनुमति नहीं दी। अदालत ने निर्देश दिया कि सफदरजंग अस्पताल और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टर उनकी स्वास्थ्य स्थिति की लगातार निगरानी करेंगे। साथ ही केंद्र सरकार, दिल्ली पुलिस और अस्पताल प्रशासन को तीन दिन के भीतर विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है।

सरकार का रवैया तानाशाहीपूर्ण, लोकतांत्रिक मूल्यों की कर रही अनदेखी

पुणे। महाराष्ट्र कांग्रेस के विधायक और वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को भूख हड़ताल के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा जबरिया अस्पताल ले जाने की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का रवैया तानाशाहीपूर्ण है और इस तरह की कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करती है। पटोले ने कहा कि सोनम वांगचुक को जिस तरह से धरना स्थल से हटाकर अस्पताल ले जाया गया, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि दिल्ली हाईकोर्ट ने किन परिस्थितियों और निर्देशों के आधार पर ऐसी कार्रवाई की अनुमति दी थी। उनके अनुसार, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे व्यक्ति के साथ इस प्रकार का व्यवहार उचित नहीं माना जा सकता। उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक 28 जून से आमरण अनशन पर थे। शनिवार को उनकी तबीयत बिगड़ने और चिकित्सकीय स्थिति गंभीर होने का हवाला देते हुए दिल्ली पुलिस उन्हें सफदरजंग अस्पताल ले गई थी।

री-नीट रिजल्ट पर अब नया विवाद, ओएमआर और मार्कशीट में 600 अंकों तक अंतर

नई दिल्ली ● एजेंसी

री-नीट 2026 के परिणाम घोषित होने के बाद राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) एक बार फिर विवादों में घिर गई है। कई अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया है कि उनकी ओएमआर शीट और जारी स्कोरकार्ड के अंकों में भारी अंतर है। छात्रों का दावा है कि फाइनल आंसर-की के आधार पर उनके अंक अधिक बन रहे थे, लेकिन जारी मार्कशीट में 15 से लेकर 600 तक अंक कम दर्ज किए गए। इस कारण कई ऐसे छात्र, जो अपने आकलन के अनुसार क्वालिफाई कर रहे थे, परिणाम में अयोग्य घोषित हो गए।

छात्रों और अभिभावकों का कहना है कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने फाइनल आंसर-की जारी करने के महज तीन से चार घंटे के भीतर परिणाम घोषित कर दिया, जिससे तकनीकी त्रुटियों की आशंका बढ़ गई। एनटीए ने 16 जुलाई की देर रात परिणाम जारी किए थे। इस वर्ष लगभग 20 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 11.21 लाख मेडिकल, डेंटल, आयुष और अन्य चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्र घोषित किए गए। वर्ष 2020 और 2021 के बाद पहली बार कोई भी छात्र 720 में से पूर्ण 720 अंक हासिल नहीं कर सका। इस बीच हरियाणा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। अभ्यर्थी मुकुल काजल ने मीडिया के समक्ष आरोप लगाया, कि 17 जुलाई को डाउनलोड किए गए उनके आधिकारिक स्कोरकार्ड में 605 अंक और ऑल इंडिया रैंक 9551 दर्ज थी, लेकिन कुछ घंटे बाद दोबारा डाउनलोड करने पर अंक घटकर केवल 60 रह गए और रैंक 18,76,324 हो गई। छात्र का दावा है कि उनके पास पहले जारी स्कोरकार्ड की प्रति सुरक्षित है तथा ओएमआर शीट और फाइनल आंसर-की के अनुसार भी उनका स्कोर 605 अंक ही बनता है।

एनटीए बोला- मामले की जांच हो रही: बढ़ते विवाद के बीच कई छात्र और अभिभावक न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, एनटीए ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा है कि सभी शिकायतों की जांच की जा रही है। एजेंसी ने अभ्यर्थियों से केवल मूल ओएमआर शीट जमा करने की अपील करते हुए चेतावनी दी है कि फर्जी या कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार दस्तावेज प्रस्तुत करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल छात्रों को जांच रिपोर्ट और एनटीए के अंतिम स्पष्टीकरण का इंतजार है।

सुप्रिया 2 सप्ताह तक ना कुछ बोलेंगी, न राजनीति करेंगी

नई दिल्ली ● एजेंसी

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने स्वास्थ्य कारणों से खुद को राजनीतिक गतिविधियों और मीडिया से दूर रखने का फैसला किया है। बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने बताया कि डॉक्टरों की सलाह पर वह अगले एक से दो सप्ताह तक वॉयस रेस्ट पर रहेंगी। इस दौरान वह न तो मीडिया से बातचीत करेंगी, न प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगी और न ही किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में भाषण देंगी। सुप्रिया सुले ने बताया कि गले और आवाज में परेशानी के कारण उन्होंने विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ली। जांच में गले में हल्की सूजन पाई गई, जिसके बाद उन्हें लंबे समय तक बोलने, भाषण देने और साक्षात्कार से बचने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह वॉयस थेरेपी भी लेंगी और मीडिया तथा समर्थकों से सहयोग की अपील की है। स्वास्थ्य कारणों के चलते सुप्रिया सुले विपक्षी गठबंधन की उस अहम बैठक में भी शामिल नहीं हो पाएंगी, जिसमें संसद के मानसून सत्र के दौरान सरकार के खिलाफ रणनीति तैयार करने और विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष की एकजुटता को लेकर चर्चा होनी है। सुप्रिया सुले का यह फैसला ऐसे समय आया है जब वह कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर चर्चा में थीं। हाल ही में उन्होंने महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी विधेयक का अध्ययन करेगी और यदि इसमें सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों में समान वृद्धि की व्यवस्था होगी तो समर्थन पर विचार किया जा सकता है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में इस विधेयक को लेकर बहस तेज हो गई थी। इसके अलावा महाराष्ट्र की राजनीति में पवार परिवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के बीच संभावित सुलह को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। राजनीतिक गलियारों में ऐसी अटकलें हैं कि शरद पवार गुट और अजित पवार गुट के बीच किसी समझौते की संभावना बन सकती है। हालांकि, इन चर्चाओं की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मानसून सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधायी कदम उठाने की तैयारी में है। इनमें महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने वाला प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक भी शामिल है। ऐसे समय में सुप्रिया सुले का कुछ समय के लिए सक्रिय राजनीति से दूर रहना विपक्षी रणनीति के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।

बॉटम

लद्दाख में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दिशा में अहम कदम

ओएनजीसी ने 14 हजार फीट की ऊंचाई पर तैयार किए दो जियोथर्मल कुएं

लेह ● एजेंसी

लद्दाख के पुगा वैली क्षेत्र में भारत की पहली जियोथर्मल ऊर्जा परियोजना ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) एनर्जी सेंटर ने समुद्र तल से करीब 14 हजार फीट की ऊंचाई पर एक-एक हजार मीटर गहरे दो जियोथर्मल कुओं का सफल निर्माण किया है। इस परियोजना के तहत धरती के भीतर मौजूद प्राकृतिक ताप का उपयोग कर बिजली पैदा की जाएगी। शुरुआती चरण में एक मेगावाट क्षमता का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, जिसे भविष्य में व्यावसायिक स्तर पर विस्तारित करने की योजना है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना भारत के स्वच्छ ऊर्जा अभियान और नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

लद्दाख के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने परियोजना का उद्घाटन करते हुए कहा कि पुगा वैली की यह उपलब्धि देश में कार्बन उत्सर्जन कम करने और लद्दाख को कार्बन न्यूट्रल क्षेत्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि जियोथर्मल ऊर्जा का उपयोग पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ क्षेत्र के सतत विकास को भी मजबूती देगा। जियोथर्मल ऊर्जा धरती के भीतर मौजूद प्राकृतिक गर्मी से प्राप्त की जाती है। इस गर्मी से बनने वाली भाप टर्बाइनों को चलाकर बिजली उत्पन्न करती है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह सौर और पवन ऊर्जा की तरह मौसम या धूप पर निर्भर नहीं रहती, बल्कि वर्षभर चौबीसों घंटे लगातार बिजली उत्पादन करने में सक्षम होती है। अत्यधिक ठंडे लद्दाख क्षेत्र में, जहां सर्दियों के दौरान तापमान शून्य से 20 से 30 डिग्री सेल्सियस नीचे तक पहुंच जाता है, यह तकनीक ऊर्जा आपूर्ति का भरोसेमंद विकल्प मानी जा रही है। परियोजना से मिलने वाली बिजली का उपयोग घरों को गर्म रखने, ग्रीनहाउस खेती को बढ़ावा देने और पर्यटन से जुड़ी सुविधाओं को निर्बाध ऊर्जा उपलब्ध कराने में किया जाएगा। इससे स्थानीय लोगों को सालभर खेती के बेहतर अवसर मिलेंगे और डीजल आधारित ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता भी कम होगी। पुगा वैली को इस परियोजना के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि इसे भारत का सबसे सक्रिय जियोथर्मल क्षेत्र माना जाता है। यहां भूमिगत गर्म पानी और भाप का विशाल भंडार मौजूद है। परीक्षणों में करीब 400 मीटर की गहराई पर 135 डिग्री सेल्सियस तक तापमान दर्ज किया गया है, जबकि एक हजार मीटर की गहराई पर इससे अधिक तापमान मिलने की संभावना जताई जा रही है, जिससे बिजली उत्पादन क्षमता और बढ़ सकती है।

हालांकि, इस परियोजना को पूरा करना आसान नहीं था। ऊंचाई, ऑक्सीजन की कमी, कठिन मौसम और दुर्गम पहाड़ी रास्तों के कारण भारी ड्रिलिंग मशीनों को वहां तक पहुंचाना बड़ी चुनौती साबित हुआ। इसके बावजूद पहला कुआं 22 मई 2026 और दूसरा 8 जुलाई 2026 को सफलतापूर्वक तैयार कर लिया गया।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एंड पैकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नम्बर - एमपीएचआईएन/20ए3002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)